

भारतीय सिनेमा का इतिहास

HISTORY OF INDIAN CINEMA

1896-1930's

Silent Era मूक युग

The birth of Indian cinema marked by pioneering silent films and mythological storytelling.

भारतीय सिनेमा की शुरुआत मूक फिल्मों और पौराणिक कथाओं से हुई।

1940's-1960's

Golden Age स्वर्णिम युग

A period of artistic brilliance and cinematic classics that defined Indian cinema.

कला और सिनेमा का स्वर्णिम युग, जिसने भारतीय सिनेमा को नई पहचान दी।

1970's-1980's

Parallel Cinema समानांतर सिनेमा

A movement towards realism and socially relevant cinema, countering mainstream Bollywood.

यथार्थवादी और सामाजिक रूप से प्रासंगिक सिनेमा की ओर एक महत्वपूर्ण आंदोलन।

1990's

Bollywood बॉलीवुड

The globalization and commercialization of Hindi cinema, blending tradition with modernity.

हिंदी सिनेमा का वैश्वीकरण और व्यावसायीकरण, परंपरा और आधुनिकता का संगम।

1896

Silent Era मूक युग



The Lumière Brothers' Cinematograph was showcased in Mumbai, introducing moving pictures to India.

लुमिएर ब्रदर्स को सिनेमा कैमरा मुंबई में प्रदर्शित हुआ और भारत में चलचित्रों की शुरुआत हुई।

1899

The Wrestlers द रेसलर्स



H.S. Bhatvdekar made one of the first Indian short films, capturing local events.

एच.एस. भाटवडेकर ने भारत की पहली लघु फिल्मों में से एक बनाई, जिसमें स्थानीय घटनाओं को दर्शाया गया।

1900

F.B Thandanaawala एफ.बी. ठंडानावाला



A movement towards realism and socially relevant cinema, countering mainstream Bollywood.

यथार्थवादी और सामाजिक रूप से प्रासंगिक सिनेमा की ओर एक महत्वपूर्ण आंदोलन।

1901

Hiralal Sen हिरालाल सेन



Between 1901 and 1904, he produced many films for Classic Theatre including Bhramar, Hariraj, and Buddhadev.

1901 से 1904 के बीच, उन्होंने क्लासिक थियेटर के लिए भ्रमर, हरिराज और बुद्धदेव जैसी कई फिल्में बनाईं।



JRF Media Academy by Rohit

Rohit Yadav

PhD Scholar at
Central University of Rajasthan

JRF Media Academy



UGC-NET PAPER 1

FULL COURSE

✓ Let's Find Out Every Concept in Detail.



COMPLETE SYLLABUS – TOPIC WISE



LATEST PYQ's WITH DETAILED SOLUTIONS



TOPIC-WISE VIDEO LECTURES



HINDI & ENGLISH



MASS COMMUNICATION
PAPER 2

FULL COURSE



UGC-NET by **Rohit**

UGC-NET Paper 1 Complete Syllabus with
Latest PYQ's Solutions.

भारतीय सिनेमा के अग्रदूत

★ PIONEERS OF INDIAN CINEMA ★

1902

J.F Madan

वे एक भारतीय थिएटर और फिल्म सम्राट थे, जो भारत में फिल्म निर्माण, प्रदर्शनी, वितरण और नाटक निर्माण के अग्रदूत के रूप में जाने जाते हैं।

He was an Indian theatre and film magnate, known for pioneering film production, exhibition, distribution, and play production in India.

1912

श्री पुंडलिक
Shree Pundalik



1913

राजा हरिश्चंद्र
Raja Harishchandra

दादासाहेब फाल्के द्वारा बनी भारत की पहली पूर्ण लंबाई की फीचर फिल्म "राजा हरिश्चंद्र", जो एक पौराणिक फिल्म थी और भारतीय सिनेमा की नींव रखी।

Dadasaheb Phalke produced India's first full-length feature film, "Raja Harishchandra," which was a mythological film and laid the foundation for Indian cinema.

1913

मोहिनी भास्मासुर
Mohini Bhasmasur

दुर्गाबाई कामत ने पहली महिला अभिनेत्री के रूप में अभिनय की शुरुआत की।

First Female Actress
Durgabai Kamat
debuts



1917

कीचक वधम्
Keechka Vadam

कीचक वधम् को पहली तमिल फिल्म माना जाता है।

Keechaka Vadham is considered to be the first Tamil film.

1917

नल दमयंती
Nal Damyanti



1925

प्रेम सान्यास
(द लाइट ऑफ एशिया)
Prem Sanyas
(The Light of Asia)

यह फिल्म इंडो-यूरोपीय सह-निर्माण थी, जिसमें जर्मन तकनीशियनों के साथ भारतीय कलाकारों ने काम किया और पश्चिमी फिल्म निर्माताओं द्वारा भारतीय संस्कृति के रूढ़िवादी चित्रण से बची।

The film was an Indo-European co-production blending German technicians with Indian actors, avoiding the typical exotic portrayal of Indian culture by Western filmmakers.

1925

सावकारी पाश
Savkari Pash

यह फिल्म समानांतर सिनेमा के अग्रणी उदाहरणों में से एक मानी जाती है। यह एक बेईमान साहूकार की कहानी कहती है, जो किसानों को थोखा देकर उनका पैसा हड़प लेता है, जिससे वे खेती छोड़ कर मिल्नों में मजदूर बन जाते हैं।

The movie is recognized as one of the pioneering instances of parallel cinema for its portrayal of genuine social concerns. It narrates the tale of a dishonest moneylender who deceives farmers out of their money, compelling them to abandon farming and become laborers in mills.

1926

बुलबुले-ए-पारिस्तान
Bulbul-e-Paristan

बेगम फातिमा सुल्ताना भारत की पहली महिला निर्देशक थीं।

The first lady
director,
Begum Fatima
Sultana



1928

देवदास
Devdas

यह शरत चंद्र चट्टोपाध्याय के उपन्यास 'देवदास' पर आधारित पहली फिल्म थी।

This was the first film adaptation of the Sharat Chandra Chattopadhyay novella, Devdas.





● In 1896, Lumiere Brothers showcased their Cinématographe films at Watson Hotel in Bombay after success in Paris in 1895 capturing motion.

1896 में, लुमिएर ब्रदर्स ने पेरिस में 1895 में सफलता के बाद बंबई के वॉटसन होटल में अपने सिनेमटोग्राफ फिल्मों का प्रदर्शन किया, जिससे गति को कैप्चर किया गया।



H.S. Bhatvdekar



- Bhatvdekar, a photographer and photography equipment dealer, attended a screening of Lumiere's Brother's short film.
भाटवडेकर, एक फोटोग्राफर और फोटोग्राफी उपकरण विक्रेता, ने लुमिएर ब्रदर्स की एक लघु फिल्म की स्क्रीनिंग में भाग लिया।
- The technology was "miracle of the century". यह तकनीक "सदी का चमत्कार" थी।
- Save Dada (as he was popularly called) created India's first motion film "The Wrestlers," a short documentary recording a wrestling match in Bombay's Hanging Garden, distinct from Phalke's feature film "Raja Harishchandra."
सवे दादा (जिन्हें लोकप्रिय रूप से सवे दादा कहा जाता था) ने भारत की पहली मोशन फिल्म "द रेसलर्स" बनाई, जो बंबई के हैंगिंग गार्डन में कुस्ती मैच की रिकॉर्डिंग पर एक लघु डॉक्यूमेंट्री थी, फाल्के की फीचर फिल्म "राजा हरिश्चंद्र" से अलग।

- Bhatvdekar was the first Indian to create moving images in India.
भाटवडेकर भारत में चलती छवियाँ बनाने वाले पहले भारतीय थे।
- Throughout his life, he made several short documentary films like
अपने जीवन भर उन्होंने कई लघु डॉक्यूमेंट्री फिल्में बनाईं।

1. Man and Monkey, 1899
मैन एंड मंकी, 1899
2. Atash Behram, 1901
आतश बेहराम, 1901
3. Landing of Sir M.M. Bhowmuggree, 1901
लैंडिंग ऑफ सर एम.एम. भौनग्री, 1901





● In addition to Indian Films, a significant amount of cinematic entertainment was imported from abroad, such as Life of Christ (1906), Aladdin and the Wonderful Lamp (1902), and Alibaba and 40 Thieves (1903).
भारतीय फिल्मों के अलावा, विदेशों से काफी मात्रा में सिनेमाई मनोरंजन आयात किया गया, जैसे लाइफ ऑफ क्राइस्ट (1906), अलाद्दीन एंड द वंडरफुल लैम्प (1902), और अलीबाबा एंड 40 थीव्स (1903)।

Foreign Films

Foreign films introduced Indian audiences to diverse storytelling styles, visual techniques, and narrative themes, enriching the film industry and fostering global collaboration in cinema.
विदेशी फिल्मों ने भारतीय दर्शकों को विविध कहानी कहने की शैलियों, दृश्य तकनीकों और कथा विषयों से परिचित कराया, जिससे फिल्म उद्योग समृद्ध हुआ और सिनेमा में वैश्विक सहयोग को बढ़ावा मिला।

One of the shows was The Life of Christ and Mr. Dhundiraj Govind Phalke was in the audience in 1906.
इनमें से एक शो द लाइफ ऑफ क्राइस्ट था और 1906 में दर्शकों में धुंडिराज गोविंद फाल्के भी उपस्थित थे।



JRF Media Academy by Rohit

Hiralal Sen

India's First Ad Filmmaker

हिरालाल सेन

भारत के प्रथम विज्ञापन फिल्म निर्माता



Hiralal Sen is generally considered one of India's first filmmakers. हिरालाल सेन को आमतौर पर भारत के प्रथम फिल्म निर्माताओं में से एक माना जाता है।



In 1903, he filmed the popular Alibaba and Forty Thieves, the first full-length Indian film.

1903 में, उन्होंने लोकप्रिय अलीबाबा और चालीस चोर फिल्म बनाई, जो पहली पूर्ण लंबाई की भारतीय फिल्म थी।



A noted photographer, he is also credited with creating India's first advertising films and possibly India's first political film.

एक प्रसिद्ध फोटोग्राफर होने के साथ-साथ, उन्हें भारत की पहली विज्ञापन फिल्मों और संभवतः भारत की पहली राजनीतिक फिल्म बनाने का श्रेय भी दिया जाता है।



A fire in 1917 destroyed all of his films. 1917 में लगी आग में उनकी सभी फिल्में नष्ट हो गईं।



FILMS & EVENTS / फिल्में और घटनाएँ



• 1903 - Alibaba and the Forty Thieves
1903 - अलीबाबा और चालीस चोर



• Between 1901 - 1904 - Bhramar
1901 - 1904 के बीच - भ्रामर



• Between 1901 and 1904 - Hariraj
1901 और 1904 के बीच - हरिराज



• Between 1901 and 1904 - Buddhadev
1901 और 1904 के बीच - बुद्धदेव



• 1905 - Anti-Partition Demonstration and Swadeshi movement at the Town Hall, Calcutta, on the 22nd September 1905

1905 - 22 सितंबर 1905 को कलकत्ता के टाउन हॉल में विभाजन विरोधी प्रदर्शन और स्वदेशी आंदोलन



JRF Media Academy by Rohit



Jamshedji Framji Madan



- He was an Indian theatre and film magnate, known for pioneering film production, exhibition, distribution, and play production in India.
वह एक भारतीय रंगमंच और फिल्म उद्योगपति थे, जो भारत में फिल्म निर्माण, प्रदर्शन, वितरण और नाटक निर्माण के क्षेत्र में अग्रणी थे।



- In 1902 where he founded Elphinstone Bioscope Company, and began producing and exhibiting silent movies.
1902 में उन्होंने एल्फिन्स्टोन बायस्कोप कंपनी की स्थापना की, और मूक फिल्मों का निर्माण और प्रदर्शन शुरू किया।



- He produced Satyavadi Raja Harishchandra in 1917 and Bilwamangal in 1919.
उन्होंने 1917 में सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र और 1919 में बिल्वमंगल का निर्माण किया।



- Satyavadi Raja Harishchandra was the first feature film to be shot in Calcutta.
सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र कलकत्ता में शूट होने वाली पहली फीचर फिल्म थी।



- Elphinstone merged into Madan Theatres Limited in 1919 which brought adapted many of Bengali's most popular literary works to the stage.
1919 में एल्फिन्स्टोन का विलय मदन थिएटर्स लिमिटेड में हो गया, जिसने बंगाली के कई लोकप्रिय साहित्यिक कार्यों को मंच पर प्रस्तुत किया।



JRF Media Academy by Rohit

Dada Sahab Phalke

दादा साहब फाल्के

- Dhundiraj Govind Phalke popularly known as Dadasaheb Phalke, was an Indian producer-director-screenwriter.

धुंडीराज गोविंद फाल्के लोकप्रिय रूप से दादासाहेब फाल्के के नाम से जाने जाते थे, जो एक भारतीय निर्माता-निर्देशक-पटकथा लेखक थे।

- He is known as “the Father of Indian cinema”. उन्हें “भारतीय सिनेमा के जनक” के रूप में जाना जाता है।
- His debut film, Raja Harishchandra, was the first Indian movie released in 1913 and is now known as India's first full-length feature film. उनकी पहली फिल्म, राजा हरिश्चंद्र, 1913 में रिलीज हुई थी और अब भारत की पहली पूर्ण लंबाई की फीचर फिल्म के रूप में जानी जाती है।
- He made **95 feature-length films** and **27 short films** in his career, spanning 19 years, until 1937. उन्होंने अपने 19 वर्षों के करियर में, 1937 तक, 95 फीचर-लंबाई की फिल्मों और 27 शॉर्ट फिल्मों बनाईं।

Raja Harishchandra

राजा हरिश्चंद्र

- RAJA HARISHCHANDRA was the first Indian feature film produced by an Indian, with out any foreign collaboration, Dadasaheb Phalke in 1912.

राजा हरिश्चंद्र 1912 में दादासाहेब फाल्के द्वारा बिना किसी विदेशी सहयोग के बनाई गई पहली भारतीय फीचर फिल्म थी।



• First Hero / प्रथम नायक

Dattatraya Damodar Dabke was the first hero of an Indian film. He acted as Harishchandra in “Raja Harishchandra” in 1913.

दत्तात्रय दामोदर डाबके भारतीय फिल्म के पहले नायक थे। उन्होंने 1913 में “राजा हरिश्चंद्र” में हरिश्चंद्र की भूमिका निभाई।



• First Technician / प्रथम तकनीशियन

Dadasaheb Phalke was not only the film producer but also the first director, writer, cameraman, make-up man, editor, art director and cine-laboratorian, with his first film “Raja Harishchandra”.

दादासाहेब फाल्के न केवल फिल्म निर्माता थे बल्कि अपने पहले फिल्म “राजा हरिश्चंद्र” के साथ पहले निर्देशक, लेखक, छायाकार, मेक-अप मैन, संपादक, कला निर्देशक और सिने-प्रयोगशाला विशेषज्ञ भी थे।



JRF Media Academy by Rohit

Notable Works



Raja Harishchandra (1913)

The first full-length Indian feature film, a mythological tale based on the legend of King Harishchandra.

पहली पूर्ण-लम्बाई भारतीय फीचर फिल्म, राजा हरिश्चंद्र की कथा पर आधारित पौराणिक कहानी।



Mohini Bhasmasur (1913)

A mythological film about the demon Bhasmasura and the enchantress Mohini, featuring pioneering special effects.

राक्षस भस्मासुर और मोहिनी की पौराणिक कथा पर आधारित फिल्म, जिसमें अग्रणी विशेष प्रभाव थे।



Satyavan Savitri (1914)

A film based on the story of Savitri and Satyavan from the Mahabharata, showcasing the devotion of a wife to her husband.

महाभारत की कहानी सावित्री और सत्यवान पर आधारित फिल्म, जो पत्नी की अपने पति के प्रति भक्ति को दर्शाती है।



Lanka Dahan (1917)

Another mythological film depicting Hanuman's journey to Lanka and the burning of Ravana's kingdom, a major success of its time.

हनुमान द्वारा लंका यात्रा और रावण के राज्य को जलाने की पौराणिक कथा पर आधारित फिल्म, जो अपने समय की बड़ी सफलता थी।



Shri Krishna Janma (1918)

It focuses on the birth and early life of Lord Krishna, further establishing Phalke's expertise in mythological storytelling.

भगवान कृष्ण के जन्म और प्रारंभिक जीवन पर आधारित, जिसने फाल्के की पौराणिक कथाओं में विशेषज्ञता को और स्थापित किया।



Kaliya Mardan (1919)

Chronicles the legend of young Krishna defeating the serpent Kaliya, featuring Phalke's daughter Mandakini as Krishna.

युवा कृष्ण द्वारा सर्प कालिया को हराने की कथा पर आधारित, जिसमें फाल्के की पुत्री मंदाकिनी ने कृष्ण की भूमिका निभाई।



Setubandhan (1932)

Although a silent film, it was later converted into a talkie. It is based on the story of the construction of the bridge to Lanka in the Ramayana.

मौन फिल्म होने के बावजूद, बाद में इसे टॉकी में परिवर्तित किया गया। यह रामायण में लंका के लिए पुल निर्माण की कहानी पर आधारित है।



Gangavataran (1937)

It was the first sound film[1] and the last film to be directed by Phalke.

यह पहली ध्वनि फिल्म थी और फाल्के द्वारा निर्देशित अंतिम फिल्म।



JRF Media Academy by Rohit



Q1. Which of the following Films was directed by Dada Saheb Phalke?
निम्नलिखित में से कौन-सी फिल्म दादा साहेब फाल्के द्वारा निर्देशित थी?

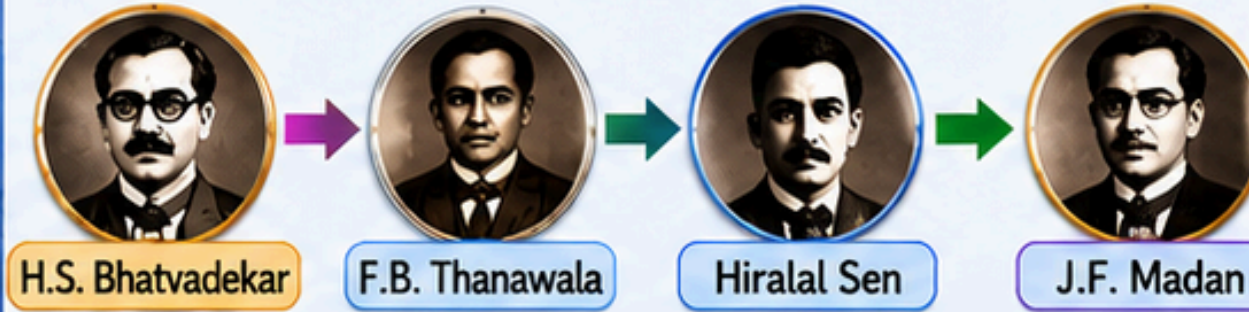
- A.** Vishwa Mohini
- B.** Veer Abhimanyu
- C.** Mohini Bhasmasur
- D.** Lanka Dahan
- E.** Savitri Satyavan



उत्तर / Answer: **3. C, D and E Only**

Q2. Find out the chronological sequence of following film producers of India :
निम्नलिखित भारतीय फिल्म निर्माताओं का कालक्रमिक क्रम ज्ञात करें:

- A.** F.B. Thanawala, Hiralal Sen, J.F. Madan, H.S. Bhatvadekar
- ✓ B.** H.S. Bhatvadekar, F.B. Thanawala, Hiralalsen, J.F. Madan
- C.** Hiralal Sen, J.F. Madan, H.S. Bhatvadekar, F.B. Thanawala
- D.** J.F. Madan, Hiralal Sen, F.B. Thanawala, H.S. Bhatvadekar



उत्तर / Answer: **2. H.S. Bhatvadekar, F.B. Thanawala, Hiralalsen, J.F. Madan**

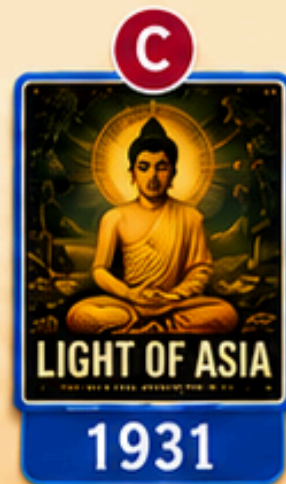
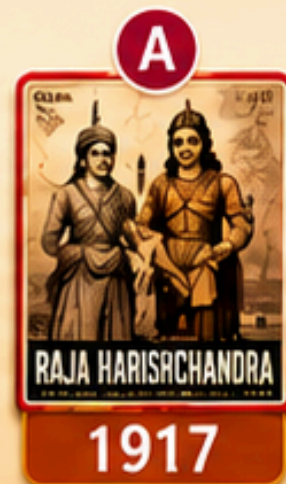
Q3. Arrange the Indian movies chronologically from the earliest to the recent.
भारतीय फिल्मों को प्राचीनतम से नवीनतम क्रम में व्यवस्थित करें।

- A.** Sairandhri (1913)
- B.** The Life of Christ (1906)
- C.** Ik Bangla Bane Nyara (1912)
- D.** Awara (1951)
- E.** Krishna Janma (1918)

- 1. B. A. E. C. D
- 2. A. B. C. D. E
- 3. B. E. A. C. D** ✓
- 4. A. C. E. D. B

Q4.

Films	Year
A. Raja Harishchandra	1. 1917
B. Nal Damyanti	2. 1925
C. Light of Asia	3. 1931
D. Alam Ara	4. 1913



- 1. A2, B3, C1, D4
- 2. A1, B4, C3, D2
- 3. A4, B1, C2, D3** ✓
- 4. A3, B1, C4, D2



JRF Media Academy by Rohit



1930'S

The period from the 1930s to the 1960s was a transformative era in Indian cinema, marked by significant events and the production of many iconic films.

1930 के दशक से 1960 के दशक तक का काल भारतीय सिनेमा के लिए एक परिवर्तनकारी युग था, जो महत्वपूर्ण घटनाओं और कई प्रतिष्ठित फिल्मों के निर्माण से चिह्नित हुआ।

This era witnessed the transition from silent films to talkies, the establishment of major film studios, and the production of several important films.

यह युग मूक फिल्मों से टॉकीज़ में संक्रमण, प्रमुख फिल्म स्टूडियो के स्थापना, और कई महत्वपूर्ण फिल्मों के निर्माण का साक्षी बना।



1930'S

Several films making a strong plea against social injustice were also made in this period like V.Santharam's Duniya Na Mane, Aadmi and Padosi, Franz Osten's Achut Kanya, Damle & Fatehlal's Sant Thukaram, Mehboob 'ss Watan, Ek hi Raasta and Aurat.

सामाजिक अन्याय के खिलाफ जोरदार आवाज उठाने वाली
कई फिल्मों भी इस काल में बनी जैसे
वी. शांताराम की दुनिया ना माने, आदमी और पड़ोसी,
फ्रांज ओस्टेन की अछुत कन्या, दामले और फतेहलाल की
संत तुकाराम, महबूब की 'इन्द वतन, एक ही रास्ता और औरत।



Golden Age

1940's - 1950's

- The modern film industry came into existence, somewhere, around 1947.
- The cinema of the period also focused on Nehruvian socialism.
- The forties was a tumultuous decade; the first half was ravaged by war and the second saw drastic political changes all over the world.
- 1940s to late 1950s was also the golden era of music. The duo Shankar Jaikishan(S-J), O.P. Nayyar, Madan Mohan, C. Ramchandra, Salil Chaudhury, Naushad, S.D. Burman - all had their distinctive style.

- आधुनिक फिल्म उद्योग का उदय लगभग 1947 के आसपास हुआ।
- The cinema of the period also focused on इस अवधि का सिनेमा नेहरूवादी समाजवाद पर भी केंद्रित था।
- 1940 का दशक उथल-पुथल भरा था; पहला हिस्सा युद्ध से प्रभावित रहा और दूसरे हिस्से में दुनिया भर में बड़े राजनीतिक परिवर्तन हुए।
- 1940 के दशक से लेकर 1950 के दशक के अंत तक संगीत का स्वर्णिम युग भी था। शंकर जयकिशन (एस-जे), ओ.पी. नैयर, मदन मोहन, सी. रामचंद्र, सलील चौधरी, नौशाद, एस.डी. बर्मन - सभी की अपनी विशिष्ट शैली थी।



JRF Media Academy by Rohit

Journey of Indian Talkies

भारतीय टॉकीज़ की यात्रा

★ The Evolution of Indian Cinema | भारतीय सिनेमा का विकास ★

1931

Alam Ara

Director: Ardeshir Irani
The first Indian talkie.
The use of synchronized dialogue and songs captivated audiences and set a new standard for filmmaking.

आलम आरा

निर्देशक: अर्देशिर ईरानी
पहली भारतीय टॉकी फिल्म।
समन्वित संवाद और गीतों के प्रयोग ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया और फिल्म निर्माण के लिए एक नया मानक स्थापित किया।

1931

Jamai Shashthi

First Bengali talkie



जमाई षष्ठी

पहली बंगाली टॉकी फिल्म

1931

Kalidas

- It was the first Tamil talkie, released in 1931.
- First Sound Film from south India



कालिदास

- यह पहली तमिल टॉकी फिल्म थी, जो 1931 में रिलीज हुई।
- दक्षिण भारत की पहली साउंड फिल्म

1932

Ayodhyecha Raja

- It was the first Marathi talkie, released in 1932.
- It was directed by V.ShantaRam.
- First Film of Prabhat Film Company



अयोध्येचा राजा

- यह पहली मराठी टॉकी फिल्म थी, जो 1932 में रिलीज हुई।
- इसका निर्देशन वि. शांताराम ने किया था।
- यह प्रभात फिल्म कंपनी की पहली फिल्म थी।

1932

Indrasabha

The film was made by Jamshedji Framji Madan's company, Madan Theatre and starred Jehanara Kajjan among others. Indrasabha holds the world record for the most songs (72) in any musical ever made.



इंद्रसभा

यह फिल्म जमशेदजी फ़्रामजी मदन की कंपनी, मदन थियेटर द्वारा बनाई गई और इसमें जहानारा काजजान सहित अन्य कलाकार थे।
इंद्रसभा किसी भी संगीत फिल्म में सबसे अधिक गीतों (72) का विश्व रिकॉर्ड रखती है।

1932

Bhakta Prahlada

Bhakta Prahlada is regarded as the first released Telugu-language sound film.



भक्त प्रहलाद

भक्त प्रहलाद को पहली रिलीज हुई तेलुगु भाषा की साउंड फिल्म माना जाता है।

1933

Sairandhri

V Shanta Ram

Sairandhari (सैरंध्री) a 1933 Indian film based on an episode from the Mahabharata and directed by V. Shantaram.



सैरंध्री

सैरंध्री (1933) महाभारत की एक घटना पर आधारित भारतीय फिल्म है और इसे वि. शांताराम ने निर्देशित किया।

★ These milestones laid the foundation of Indian cinema and inspired generations to come. ★

इन उपलब्धियों ने भारतीय सिनेमा की नींव रखी और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित किया।

1930 के दशक की प्रमुख फिल्में और स्टूडियो का कालक्रम

Chronology of Key Films and Studios of the 1930s

1934



Sati Sulochna सती सुलोचना

First Talkie Kannada Film
पहली टॉकी कन्नड़ फिल्म

1934



Bombay Talkies बॉम्बे टॉकीज

Bombay Talkies was a movie studio founded in 1934. During its period of operation, Bombay Talkies produced 40 movies

बॉम्बे टॉकीज की स्थापना 1934 में हुई थी। अपने संचालन काल के दौरान, बॉम्बे टॉकीज ने 40 फिल्मों बनाई।

1935



Devdas देवदास

Director: P.C Barua

P.C. Barua's 1935 version is notable for its emotional depth and poignant portrayal of the doomed romance between Devdas and Paro. The film's success established it as a classic and influenced future adaptations.

पी.सी. बरूआ की 1935 संस्करण अपनी भावनात्मक गहराई और देवदास और पारो के बीच doomed प्रेम कहानी के मार्मिक चित्रण के लिए उल्लेखनीय है। फिल्म की सफलता ने इसे एक क्लासिक बना दिया और भविष्य की अनुकूलन को प्रभावित किया।

1936



Achhut Kanya अछूत कन्या

Director: Franz Osten

A social drama that addresses the issue of caste discrimination.

एक सामाजिक नाटक जो जातिगत भेदभाव के मुद्दे को उठाता है।

1936



Sitah Bibaha सीताह बिबाह

First Oriya Film
पहली उड़िया फिल्म

1937



Kisan Kanya किसान कन्या

First Color film of India
भारत की पहली रंगीन फिल्म

Director: Moti B. Gidwani
निर्देशक: मोटी बी. गिडवानी



1940 के दशक की प्रमुख फ़िल्में और स्टूडियोज़ का कालक्रम

Chronology of Key Films and Studios of the 1940s & 1950s

1943

1946

1951

Kismet किस्मत

Gyan Mukherjee | ज्ञान मुखर्जी

- "Kismet" was a massive commercial success and held the record for the longest-running film at a single theatre in India for decades.
- The first blockbuster in Indian cinema

- "किस्मत" एक विशाल व्यावसायिक सफलता थी और भारत में दशकों तक एक ही थिएटर में सबसे लंबा चलने वाली फिल्म का रिकॉर्ड बनाया।
- भारतीय सिनेमा की पहली ब्लॉकबस्टर फिल्म।

Neecha Nagar नीचा नगर

Chetan Anand | चेतन आनंद

- The film was an inspired version of Maxim Gorky's work, The Lower Depths
- It was one of the first attempts to portray social realism in Indian cinema.
- Neecha Nagar became the first Indian film to gain recognition at the Cannes Film Festival

- यह फिल्म मैक्सिम गोर्की के 'द लोअर डेप्थ्स' की प्रेरित रूपांतरण थी।
- यह भारतीय सिनेमा में सामाजिक यथार्थ को चित्रित करने का पहला प्रयासों में से एक थी।
- नीचा नगर पहली भारतीय फिल्म बनी जिसे कान्स फिल्म फ़ेस्टिवल में मान्यता मिली।

Awaara आवारा

Raj Kapoor | राजकपूर

- "Awaara" was a monumental success, both in India and internationally, particularly in the Soviet Union, China, and the Middle East.
- Its songs, especially "Awaara Hoon," became anthems, and the film's themes resonated with global audiences

- "आवारा" भारत और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर, विशेष रूप से सोवियत संघ, चीन और मध्य पूर्व में एक विशाल सफलता थी।
- इसके गीत, विशेषकर "आवारा हूँ", गान बन गए और फिल्म के विषयों ने वैश्विक दर्शकों के साथ गहरा संवाद स्थापित किया।

1953

1955

1957

Do Biga Zameen दो बीघा ज़मीन

- A neo-realist masterpiece highlighting the struggles of a farmer.
- Praised at international film festivals and contributed to global recognition of Indian parallel cinema.

- एक नियो-रिअलिस्ट मास्टरपीस, जो एक किसान के संघर्ष को दर्शाती है।
- अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में प्रशंसा मिली और समानांतर सिनेमा को वैश्विक पहचान दिलाई।

Shree 420 श्री 420

Raj Kapoor | राजकपूर

- "Shree 420" was another major hit for Raj Kapoor, celebrated for its engaging narrative and memorable music.
- Songs like "Mera Joota Hai Japani" and "Ramaiya Vastavaiya" became iconic.

- "श्री 420" राज कपूर की एक और बड़ी हिट रही, जो अपनी रोचक कहानी और यादगार संगीत के लिए प्रसिद्ध हुई।
- "मेरा जुता है जापानी" और "रामैया वस्तावैया" जैसे गीत प्रतिष्ठित हो गए।

Pyasa प्यासा

- A poetic masterpiece by Guru Dutt that explores the struggles of a poet in society.
- Considered one of the greatest films in Indian cinema.

- गुरु दत्त द्वारा निर्देशित यह काव्यात्मक मास्टरपीस समाज में एक कवि के संघर्ष को दर्शाती है।
- भारतीय सिनेमा की सबसे महान फिल्मों में से एक मानी जाती है।

इन फिल्मों ने भारतीय सिनेमा की कहानी, संगीत और सामाजिक चेतना को नई ऊँचाईयों तक पहुँचाया।

These films elevated Indian cinema's storytelling, music, and social awareness to new heights.

Satyajit Ray



Satyajit Ray is widely considered one of the greatest and most influential film directors in the history of cinema.

सत्यजीत रे को सिनेमा के इतिहास में सबसे महान और प्रभावशाली फिल्म निर्देशकों में से एक माना जाता है।



He was an Indian director, screenwriter, documentary filmmaker, author, essayist, lyricist, magazine editor, illustrator, calligrapher, and composer.

वह एक भारतीय निर्देशक, पटकथा लेखक, डॉक्यूमेंट्री फिल्मकार, लेखक, निबंधकार, गीतकार, पत्रिका संपादक, चित्रकार, लेखकनी और संगीतकार थे।

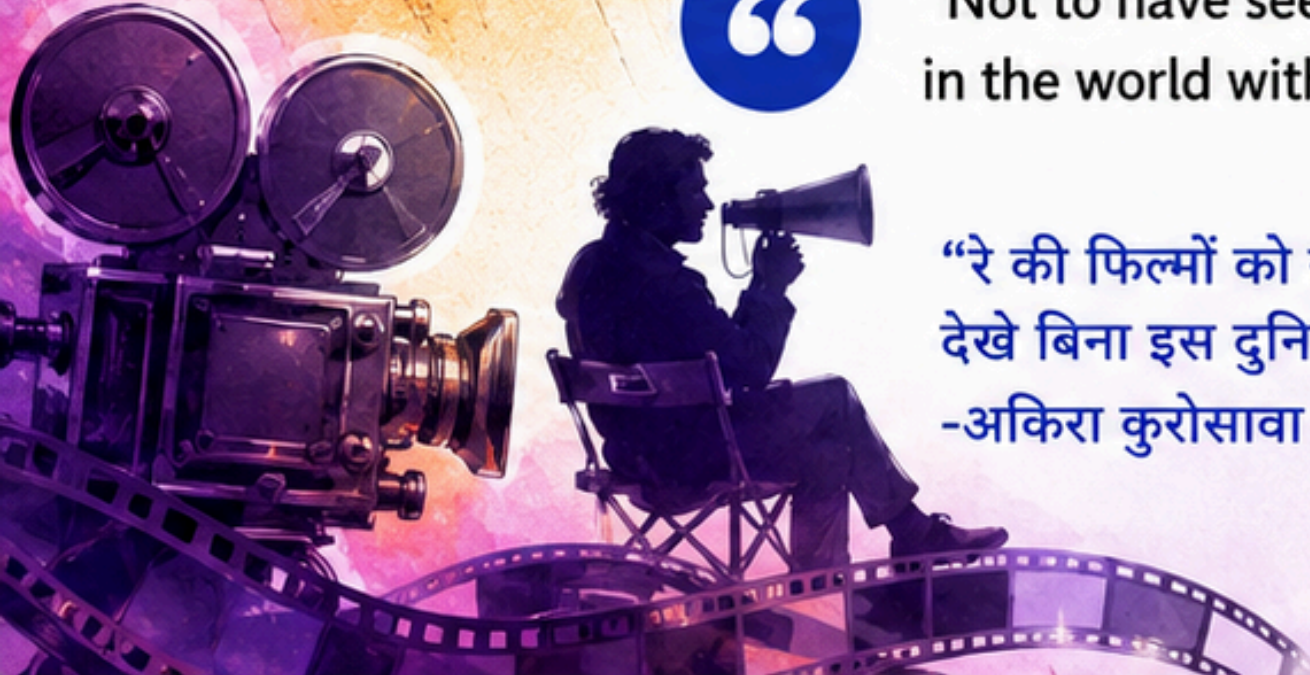


"Not to have seen the cinema of Ray means existing in the world without seeing the sun or the moon."

-Akira Kurosawa

“रे की फिल्मों को न देखना ऐसा है जैसे सूरज या चाँद को देखे बिना इस दुनिया में मौजूद रहना।”

-अकिरा कुरोसावा



Academy Honorary Award (1992) for his significant impact on world cinema.

विश्व सिनेमा पर उनके महत्वपूर्ण प्रभाव के लिए एकेडमी मानद पुरस्कार (1992)।



Bharat Ratna (1992), India's highest civilian award.

भारत रत्न (1992), भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान।



Ray's interest in filmmaking was sparked by his meeting with French filmmaker Jean Renoir and his viewing of Vittorio De Sica's "Bicycle Thieves" during a trip to London.

फिल्म निर्माण में रे की रुचि जीन रेनॉयर से मुलाकात और लंदन यात्रा के दौरान विटोरियो डे सिका की "बाइसिकल थीव्स" देखने से जागृत हुई।



JRF Media Academy by Rohit

The Apu Trilogy

- The Apu Trilogy comprises three Indian Bengali-language drama films directed by Satyajit Ray:

अपु त्रयी तीन भारतीय बंगाली-भाषा की नाटकीय फिल्मों का समूह है, जिनका निर्देशन सत्यजीत रे ने किया:

1

Pather Panchali (1955)

पथर पांचाली (1955)



2

Aparajito (1956)

अपराजितो (1956)



3

Apur Sansar (1959)

अपूर संसार (1959)



- The films are based on two Bengali novels written by Bibhutibhushan Bandopadhyay: Pather Panchali (1929) and Aparajito (1932)

- ये फिल्में विभूतिभूषण बंद्योपाध्याय द्वारा लिखित दो बंगाली उपन्यासों पर आधारित हैं: पथर पांचाली (1929) और अपराजितो (1932)



- The original music for the films was composed by Pandit Ravi Shankar.

- इन फिल्मों का मूल संगीत पंडित रवि शंकर द्वारा रचा गया था।

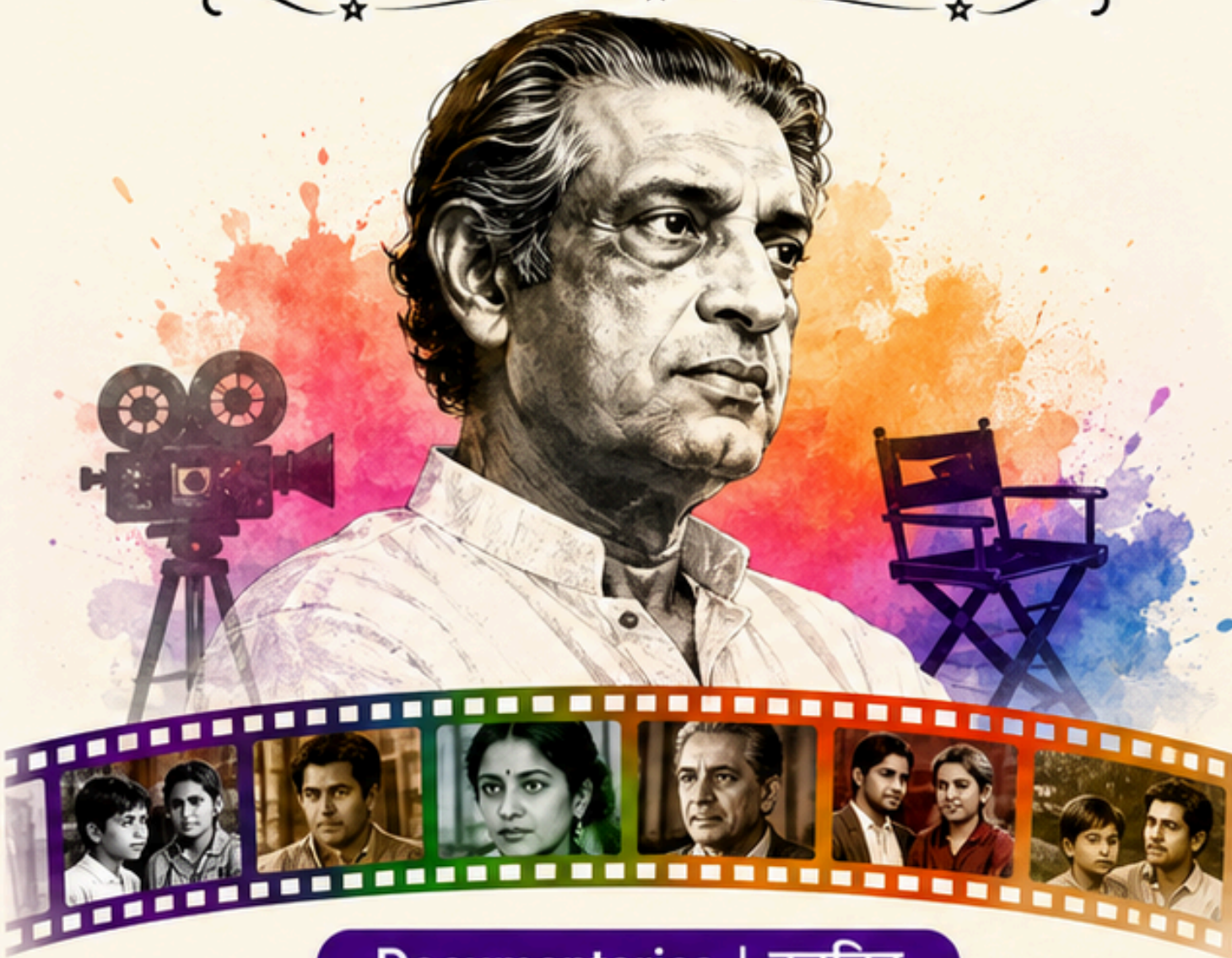


JRF Media Academy by Rohit

Satyajit Ray

सत्यजीत रे की फ़िल्मों की कालक्रम सूची

Filmography in Chronological Order



- 1 1955 Pather Panchali | पथेर पांचाली
- 2 1956 Aparajito | अपराजितो
- 3 1958 Parash Pathar | परश पत्थर
- 4 1958 Jalsaghar | जलसाघर
- 5 1959 Apur Sansar | अपूर संसार
- 6 1960 Devi | देवी
- 7 1962 Kanchenjunga | कांचनजंघा
- 8 1962 Abhijan | अभियान
- 9 1963 Mahanagar | महानगर
- 10 1964 Charulata | चारूलता
- 11 1964 Two | टू
- 12 1966 Nayak | नायक
- 13 1967 Chiriakhana (The Zoo) | चिड़ियाखाना
- 14 1969 Goopy Gyne Bagha Byne | गुपी गार्डन बाघा बाईन
- 15 1970 Aranyer Din Ratri | अरुण्येर दिन रात्री
- 16 1970 Pratidwandi | प्रतिद्वंदी
- 17 1971 Seemabaddha | सीमाबद्ध

- 18 1973 Asani Sanket | अशनि संकेत
- 19 1974 Sonar Kella | सोनार केला
- 20 1975 Jana Aranya | जना अरण्य
- 21 1976 Bala (Documentary) | बाला (डॉक्यूमेंटरी)
- 22 1977 Shatranj Ke Khilari (Hindi Film) | शतरंज के खिलाड़ी (हिंदी फ़िल्म)
- 23 1978 Joi Baba Felunath | जय बाबा फेलुनाथ
- 24 1980 Pikoo (Short) | पिकू (शॉर्ट)
- 25 1980 Hirak Rajar Deshe | हिरक राजर देशे
- 26 1981 Sadgati (Hindi Film) | सद्गति (हिंदी फ़िल्म)
- 27 1984 Ghare Baire | घरे बायरे
- 28 1989 Ganashatru | गणशत्रु
- 29 1990 Shakha Proshakha | शाखा प्रसाखा
- 30 1991 Agantuk | आगंतुक

Documentaries | वृत्तचित्र



Two (1964)
15 min
Two (1964)
15 मिनट



Sikkim (Documentary, 1971)
60 min
Sikkim (वृत्तचित्र, 1971)
60 मिनट



The Inner Eye
(Documentary, 1972)
20 min Colour
The Inner Eye (वृत्तचित्र, 1972)
20 मिनट रंगीन



Pikoo (Pikoo's Day)
(Short, 1980)
26 min Colour
Pikoo (पिकू'स डे) (शॉर्ट, 1980)
26 मिनट रंगीन



Sukumar Ray (Documentary, 1987)
30 min Colour
Sukumar Ray (वृत्तचित्र, 1987)
30 मिनट रंगीन



JRF Media Academy by Rohit

Ritwik Ghatak

- He was a noted Indian film director, screenwriter, actor and playwright.

वे एक प्रसिद्ध भारतीय फिल्म निर्देशक, पटकथा लेखक, अभिनेता और नाटककार थे।

- His cinema is primarily remembered for its meticulous depiction of social reality, partition and feminism.

उनकी फिल्मों को मुख्य रूप से सामाजिक यथार्थ, विभाजन और नारीवाद के सूक्ष्म चित्रण के लिए याद किया जाता है।



- Began his film career with "Nagarik" (1952), although it was released posthumously in 1977. It is considered one of the earliest examples of Indian parallel cinema.

उन्होंने अपनी फिल्मी करियर की शुरुआत "नागरिक" (1952) से की, हालाँकि यह 1977 में मरणोपरांत रिलीज हुई। इसे भारतीय समानांतर सिनेमा के प्रारंभिक उदाहरणों में से एक माना जाता है।



फिल्मोग्राफी (कालक्रमानुसार) | Filmography (In Chronological Order)

1952

Nagarik

(completed 1952) –
Released posthumously
in 1977

नागरिक (1952 पूर्ण)
– 1977 में मरणोपरांत
रिलीज हुई



1958

Ajantrik
(1958)

अजन्त्रिक
(1958)



1958

Bari Theke Paliye
(1958)

बारी थेके पलिये
(1958)



1960

Meghe Dhaka Tara
(1960)

मेघे धाका तारा
(1960)



1961

Komal Gandhar
(1961)

कोमल गंधार
(1961)



1965

Subarnarekha
(1965)

सुवर्णरेखा
(1965)



1973

Titash Ekti Nadir Naam
(1973)

तितास एक्कि
नदीर नाम (1973)



1974

Jukti Takko Aar Gappo
(1974)

जुक्ति तक्को
आर गप्पो (1974)



JRF Media Academy by Rohit

Bimal Roy



He is particularly noted for his realistic and socialistic films such as Do Bigha Zamin, Parineeta, Biraj Bahu, Devdas, Madhumati, Sujata, Parakh and Bandini, making him an important director of Hindi cinema.

वे यथार्थवादी और समाजवादी फिल्मों के लिए विशेष रूप से जाने जाते हैं, जैसे दो बीघा ज़मीन, परिनीता, बिराज बहू, देवदास, मधुमती, सुजाता, परख और बंदिनी, जिससे वे हिंदी सिनेमा के एक महत्वपूर्ण निर्देशक बने।



Bimal Roy's profound impact on Indian cinema is characterised by his commitment to realism, social justice, and humanistic storytelling.

भारतीय सिनेमा पर बिमल राँय का गहरा प्रभाव यथार्थवाद, सामाजिक न्याय और मानवतावादी कहानी कहने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से परिलक्षित होता है।



He made Do Bigha Zamin(1953) after watching Vittorio De Sica's Bicycle Thieves (1948)

उन्होंने विटोरियो डी सीका की 'बाइसिकल थीव्स' (1948) देखने के बाद 'दो बीघा ज़मीन' (1953) बनाई।



Major Works | प्रमुख कृतियाँ



1953

1

Do Bigha Zamin (1953):

A landmark film in Indian cinema, inspired by Italian neorealism, depicting the struggles of a farmer against the oppressive land ownership system. It won the International Prize at the Cannes Film Festival.

भारतीय सिनेमा की एक मील का पत्थर फिल्म, इतालवी नवयथार्थवाद से प्रेरित, जो एक किसान के शोषणकारी भूमि स्वामित्व प्रणाली के खिलाफ संघर्ष को दिखाती है। इसने कान फिल्म महोत्सव में अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार जीता।



1955

2

Devdas (1955):

A critically acclaimed adaptation of Sarat Chandra Chattopadhyay's classic, exploring themes of unrequited love, societal pressures, and self-destruction.

शरत चंद्र चटोपाध्याय की कालजयी कृति पर आधारित एक अत्यधिक प्रसिद्ध फिल्म, जिसमें एकतरफा प्रेम, सामाजिक दबाव और आत्म-विनाश के विषयों की खोज की गई है।



1958

3

Madhumati (1958):

A pioneering film in the reincarnation genre, known for its atmospheric storytelling and memorable music.

पुनर्जन्म की कथा पर आधारित एक अग्रणी फिल्म, जो अपनी प्रभावशाली कहानी और यादगार संगीत के लिए प्रसिद्ध है।



1959

4

Sujata (1959):

A bold film addressing the issues of caste discrimination and untouchability in Indian society.

भारतीय समाज में जातिगत भेदभाव और अस्पृश्यता के मुद्दों को साहसपूर्वक उठाने वाली एक प्रभावशाली फिल्म।



1963

5

Bandini (1963):

One of his most celebrated works, portraying the emotional turmoil of a woman prisoner and critiquing the societal norms that led to her imprisonment.

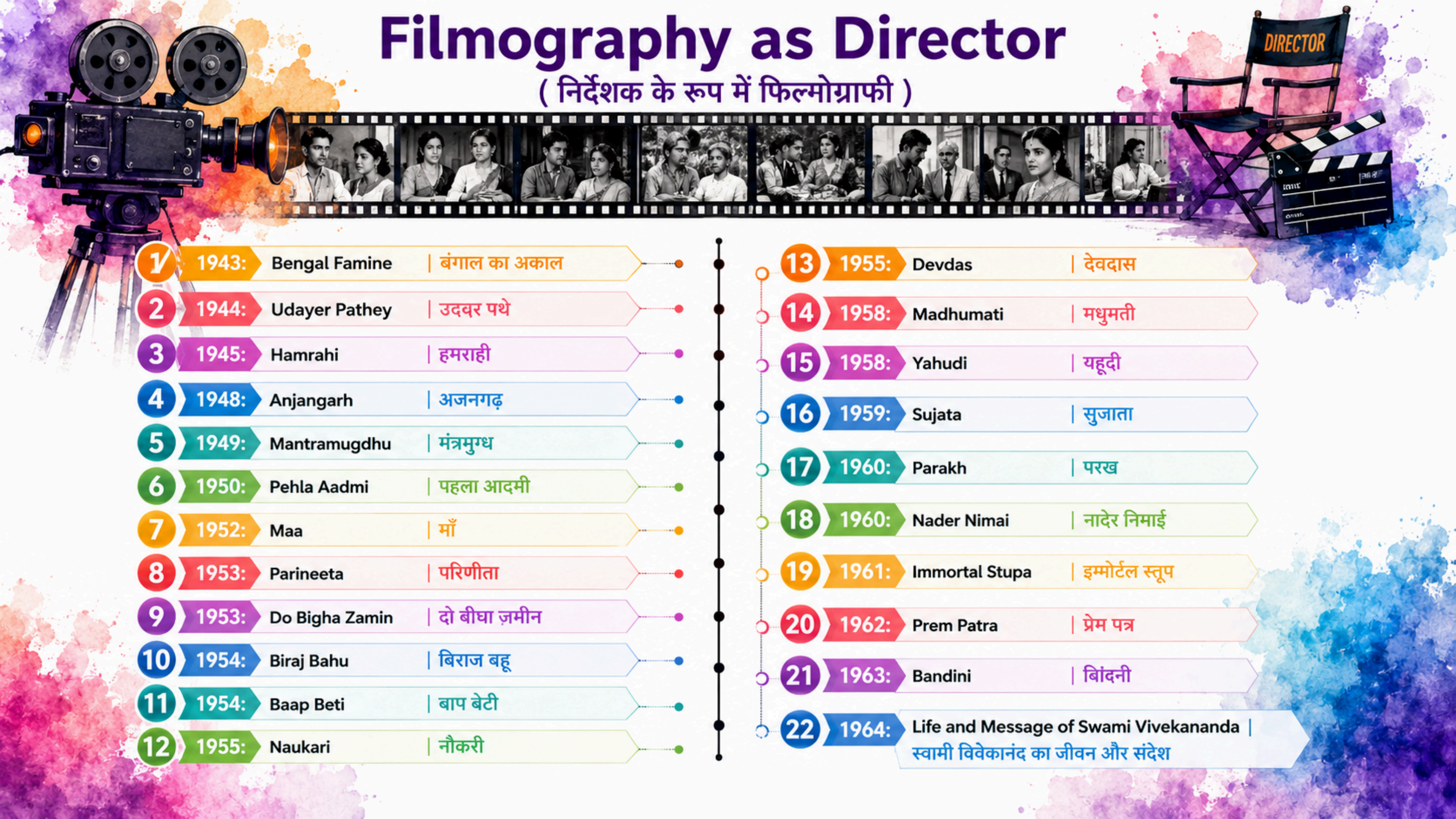
उनकी सबसे प्रशंसित फिल्मों में से एक, जो एक महिला कैदी के भावनात्मक संघर्ष को दर्शाती है और उन सामाजिक मानदंडों की आलोचना करती है, जिनके कारण उसे कारावास झेलना पड़ा।



JRF Media Academy by Rohit

Filmography as Director

(निर्देशक के रूप में फिल्मोग्राफी)



Raj Kapoor



He is considered one of the greatest and most influential actors and filmmakers in the history of Indian cinema.

उन्हें भारतीय सिनेमा के इतिहास के सबसे महान और सबसे प्रभावशाली अभिनेता और फिल्म निर्माता में से एक माना जाता है।



He has been referred to as The Greatest Showman of Indian Cinema and as the Charlie Chaplin of Indian Cinema.

उन्हें भारतीय सिनेमा का सबसे बड़ा शोमैन और भारतीय सिनेमा का चार्ली चैपलिन कहा गया है।



He was Known for his grand storytelling, melodious music, and socially relevant themes.

वह अपनी भव्य कहानी कहने की शैली, मधुर संगीत और सामाजिक रूप से प्रासंगिक विषयों के लिए जाने जाते थे।



His films, particularly "Awaara," gained international fame and were popular in places like the Soviet Union and China. उनकी फिल्में, विशेषकर "आवारा," ने अंतराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की और सोवियत संघ और चीन जैसे स्थानों पर लोकप्रिय हुई।



Started RK Films, in 1948 at the age of 24. उन्होंने 24 वर्ष की आयु में 1948 में RK Films की शुरुआत की।



Often portrayed the "tramp" character, inspired by Charlie Chaplin, representing the common man with a touch of humor and pathos. अक्सर चार्ली चैपलिन से प्रेरित "ट्रैम्प" किरदार निभाया, जो हास्य और करुणा के साथ आम आदमी का प्रतिनिधित्व करता था।

As Director (निर्देशक के रूप में)



1 1948: Aag | आग



2 1949: Barsaat | बरसात



3 1951: Awaara | आवारा



4 1955: Shree 420 | श्री 420



5 1964: Sangam | संगम



6 1970: Mera Naam Joker | मेरा नाम जोकर



7 1973: Bobby | बॉबी



8 1978: Satyam Shivam Sundaram | सत्यम शिवम सुंदरम



9 1982: Prem Rog | प्रेम रोग



10 1985: Ram Teri Ganga Maili | राम तेरी गंगा मैली



JRF Media Academy by Rohit

Guru Dutt

गुरु दत्त



• He is regarded as one of the greatest filmmakers of Indian cinema.
उन्हें भारतीय सिनेमा के महानतम फिल्मकारों में से एक माना जाता है।



• He directed 8 Hindi films, several of which have gained a cult following internationally.

उन्होंने 8 हिंदी फिल्मों निर्देशित की, जिनमें से कई ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कल्ट फॉलोइंग हासिल की।



• His films often dealt with themes of unfulfilled love, existential angst, and societal critique.

उनकी फिल्मों में अक्सर अधूरे प्रेम, अस्तित्वगत बेचैनी और सामाजिक आलोचना जैसे विषय होते थे।



• Known for his use of chiaroscuro lighting, innovative camera angles, and deep-focus cinematography.

चियारोस्कुरो लाइटिंग, अभिनव कैमरा एंगल्स और डीप-फोकस सिनेमैटोग्राफी के लिए जाने जाते थे।



As Director / निर्देशक के रूप में

1

1951: Baazi
बाजी



2

1952: Jaal
जाल



3

1953: Baaz
बाज़



4

1954: Aar Paar
आर पार



5

1954: Mr. & Mrs. '55
मि. एंड मिसेज '55



6

1956: Sailaab
सैलाब



7

1957: Pyaasa
प्यासा



8

1959: Kaagaz Ke Phool
कागज के फूल



As Producer / निर्माता के रूप में

1956: CID



1960: Chaudhvin Ka Chand
(Produced)
चौदहवीं का चांद (निर्मित)



1962: Sahib Bibi Aur Ghulam
(Produced, Directed by Abrar Alvi)
साहिब बीबी और गुलाम
(निर्मित, निर्देशित: अबरार अल्वी)



JRF Media Academy by Rohit



K. Asif / कै. आसिफ



- He was an Indian film director, film producer and screenwriter who is known for his epic film, **Mughal-e-Azam**.

वे एक भारतीय फिल्म निर्देशक, निर्माता और पटकथा लेखक थे, जो अपनी महाकाव्य फिल्म मुगल-ए-आज़म के लिए जाने जाते हैं।



- He was Known for his grandiose vision and ability to create epic narratives with elaborate sets, detailed costumes, and extensive use of extras.

वे अपने भव्य दृष्टिकोण और विस्तृत सेट, बेहतरीन पोशाकों तथा अत्यधिक भीड़ों के उपयोग के साथ महाकाव्य कथाएँ रचने की क्षमता के लिए प्रसिद्ध थे।

Mehboob Khan / महबूब खान



- Mehboob Khan was a producer-director in Indian cinema, is celebrated for his directorial contribution to the legendary social epic "Mother India" (1957).

महबूब खान भारतीय सिनेमा के निर्माता-निर्देशक थे, जिन्हें सामाजिक महाकाव्य "मदर इंडिया" (1957) के निर्देशन के लिए सराहा जाता है।



- Mother India received prestigious accolades including the Filmfare Awards for Best Film and Best Director, two National Film Awards, and an Academy Award nomination for Best Foreign Language Film.

मदर इंडिया को फिल्मफेयर पुरस्कार (सर्वश्रेष्ठ फिल्म और सर्वश्रेष्ठ निर्देशक), दो राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा फिल्म के लिए अकादमी पुरस्कार नामांकन मिला।



Complete Filmography as Director निर्देशन की संपूर्ण फिल्मोग्राफी

These Films are Directed by K. Asif ये फ़िल्में कै. आसिफ द्वारा निर्देशित हैं

1

1945: Phool
फूल



2

1951: Hulchul
(Only Producer)
हलचल
(केवल निर्माता)



3

1960: Mughal-e-Azam
मुगल-ए-आज़म



4

1986: Love and God
(Kaiz) (Released
posthumously)
लव एंड गॉड (कार्ज़)
(मरणोपरांत रिलीज़)



JRF Media Academy by Rohit



Indian New Wave / भारतीय नयी लहर



Indian New Wave originated in the state of **West Bengal** in the 1950s as an alternative to mainstream commercial Indian cinema.

भारतीय नयी लहर की शुरुआत 1950 के दशक में **पश्चिम बंगाल** राज्य में मुख्यधारा की व्यावसायिक भारतीय सिनेमा के एक विकल्प के रूप में हुई।



It is known for its serious content, realism and naturalism, symbolic elements with a keen eye on the sociopolitical climate of the times, and for the general यह अपने गंभीर विषय-वस्तु, यथार्थवाद और प्राकृतिकता, प्रतीकात्मक तत्वों, समय की सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों पर गहरी नजर, और आम तौर पर



Rejection of inserted song-and-dance routines that are typical of mainstream Indian films. मुख्यधारा की भारतीय फिल्मों में प्रचलित डाले गए गीत-संगीत और नृत्य की रूढ़िवादी परंपराओं को अस्वीकार करना।

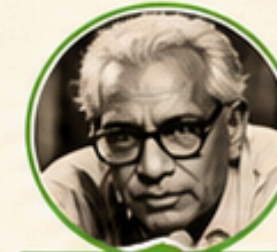


The Parallel Cinema movement began to take shape from the late 1940s, by pioneers such as Satyajit Ray, Ritwik Ghatak, Bimal Roy, Mrinal Sen, Tapan Sinha, Khwaja Ahmad Abbas, Buddhadeb Dasgupta, Chetan Anand, Guru Dutt and V. Shantaram. This period is considered part of the 'Golden Age' of Indian cinema.

पैरेलल सिनेमा आंदोलन की शुरुआत 1940 के दशक के अंत से हुई, जिसके अग्रणी सत्यजीत राय, ऋत्विक् घटक, बिमल रॉय, मृणाल सेन, तपन सिन्हा, ख्वाजा अहमद अब्बास, बुद्धदेव दासगुप्ता, चेतन आनंद, गुरु दत्त और वी. शांतराम जैसे फिल्मकार थे। यह काल भारतीय सिनेमा के 'स्वर्ण युग' का हिस्सा माना जाता है।



Satyajit Ray
सत्यजीत राय



Ritwik Ghatak
ऋत्विक् घटक



Bimal Roy
बिमल रॉय



Mrinal Sen
मृणाल सेन



Tapan Sinha
तपन सिन्हा



Khwaja
Ahmad Abbas
ख्वाजा अहमद अब्बास



Buddhadeb
Dasgupta
बुद्धदेव दासगुप्ता



Chetan Anand
चेतन आनंद



Guru Dutt
गुरु दत्त



V. Shantaram
वी. शांतराम



JRF Media Academy by Rohit

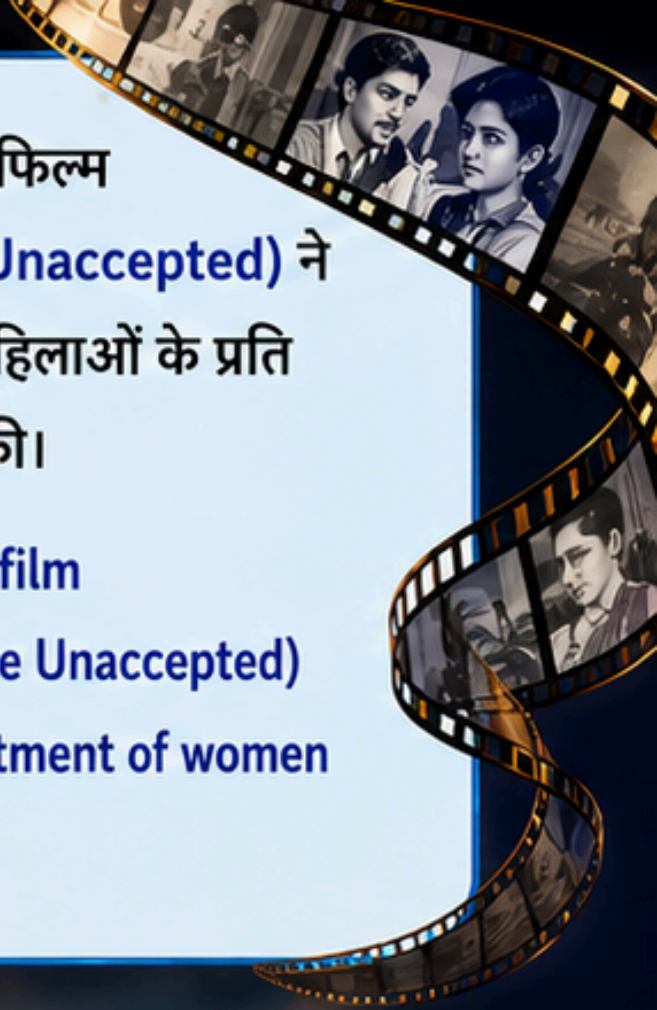


- भारतीय सिनेमा में यथार्थवाद की शुरुआत 1920 और 1930 के दशक में हुई। प्रारंभिक उदाहरणों में बाबूराव पेंटर की 1925 की मूक फिल्म 'सावकारी पाश' (भारतीय शाइलॉक) शामिल है, जो एक गरीब किसान की कहानी थी।
- Realism in Indian cinema dates back to the 1920s and 1930s. One of the earliest examples was Baburao Painter's 1925 silent film 'Savkari Pash' (Indian Shylock), about a poor peasant.

प्रारंभिक उदाहरण Early Examples



- 1937 की शांताराम की फिल्म 'दुनिया ना माने' (The Unaccepted) ने भी भारतीय समाज में महिलाओं के प्रति व्यवहार की आलोचना की।
- The 1937 Shantaram film 'Duniya Na Mane' (The Unaccepted) also critiqued the treatment of women in Indian society.



- धरती के लाल (1946), जो 1943 के बंगाल अकाल पर आधारित थी, ख्वाजा अहमद अब्बास द्वारा निर्देशित और लिखित।
- Dharti Ke Lal (1946), a film about the Bengali famine of 1943 directed and written by Khwaja Ahmad Abbas.



- नीचा नगर (1946), चेतन आनंद द्वारा निर्देशित और ख्वाजा अहमद अब्बास द्वारा लिखित, जिसने प्रथम कान फिल्म महोत्सव में ग्रैंड प्राइज जीता, भारतीय न्यू वेव सिनेमा के उदाहरण हैं।

Neecha Nagar (1946), a film directed by Chetan Anand and written by Khwaja Ahmad Abbas that won the Grand Prize at the first Cannes Film Festival were examples of Indian New Wave Cinema.



▶ JRF Media Academy by Rohit

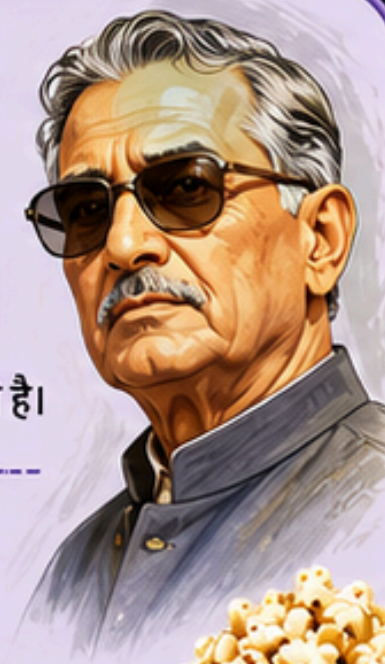
- बिमल रॉय की दो बीघा जमीन (1953) व्यावसायिक और आलोचनात्मक दोनों रूप से सफल रही। इसने 1954 में कान्स फिल्म महोत्सव में इंटरनेशनल पुरस्कार जीता।



- Bimal Roy's Do Bigha Zamin (1953), which was both a commercial and critical success. The film won the International Prize at the 1954 Cannes Film Festival.

- भुवन शोम ने भारतीय न्यू वेव सिनेमा की शुरुआत की।
- यह भारत की नेशनल फिल्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा वित्तपोषित प्रारंभिक फिल्मों में से एक थी।
- फिल्म में एकरसता, एकांत, मित्रता और करुणा के विषयों को दर्शाया गया है।
- यह भारत में ग्रामीण-शहरी विभाजन को भी उजागर करती है।

- Bhuvan Shome pioneered the Indian New Wave.
- It was one of the earliest films to get funded by the National Film Development Corporation of India.
- The film deals with themes of monotony, solitude, camaraderie, and compassion.
- It also highlights the rural-urban divide in India.



मध्य सिनेमा के प्रारम्भिक उदाहरण

EARLY EXAMPLES OF MIDDLE CINEMA



- हिंदी सिनेमा में **समानांतर फिल्म** ने 1970 के दशक और 1980 के दशकों के दौरान मुख्यधारा सिनेमा की चमक-धमक में बहुत अधिक प्रवेश किया।

- Parallel film** entered the limelight of Hindi cinema to a far greater extent during the 1970s and 1980s.



- गुलजार, श्याम बेनेगल, मणि कौल, राजिंदर सिंह बेदी, कांतिलाल राठौड़, और सईद अख्तर मिर्जा जैसे निर्देशक, साथ ही **गोविन्द निहलानी** जैसे बाद के निर्देशक, जिन्होंने इस अवधि के दौरान भारतीय कला सिनेमा के प्रमुख निर्देशक थे।

- Directors such as **Gulzar, Shyam Benegal, Mani Kaul, Rajinder Singh Bedi, Kantilal Rathod, and Saeed Akhtar Mirza**, as well as later directors such as **Govind Nihalani**, who were the prominent directors of Indian art cinema during this period.



- मणि कौल** की पहली तीन फिल्मों, उसकी रोटी (1971), आषाढ़ का एक दिन (1972), और दुविधा (1974), को दुनिया भर में अत्यधिक प्रशंसा मिली और इनका बहुत सम्मान किया गया।
- अंकुर** (सीडिंग, 1974), श्याम बेनेगल की निर्देशकीय शुरुआत थी, जो एक महत्वपूर्ण सफलता थी और इसके बाद कई ऐसी फिल्मों आई जिन्होंने आंदोलन में एक नया क्षेत्र स्थापित किया।
- Mani Kaul's** first three films, *Uski Roti* (1971), *Ashadh Ka Ek Din* (1972), and *Duvidha* (1974), were highly acclaimed and held in high regard around the world.
- Ankur** (Seeding, 1974), Shyam Benegal's directorial debut, was a critical success and was followed by numerous works that established a new arena in the movement.





अदूर गोपाल कृष्णन Adoor Gopal Krishnana

- उन्होंने 1972 में **स्वयंभवरम** फिल्म के साथ भारतीय समानांतर सिनेमा को मलयालम सिनेमा तक विस्तारित किया।
- He extended the Indian New Wave to Malayalam cinema with his maiden feature film *Swayamvaram* in 1972



मध्य सिनेमा MIDDLE CINEMA

गिरिश कसरावली Girish Kasaravalli

- उन्होंने भारतीय समानांतर सिनेमा को कन्नड सिनेमा तक विस्तारित किया।
- He extended the Indian New Wave to Kannada cinema.



★ प्रमुख फिल्म निर्माता / Prominent Filmmakers

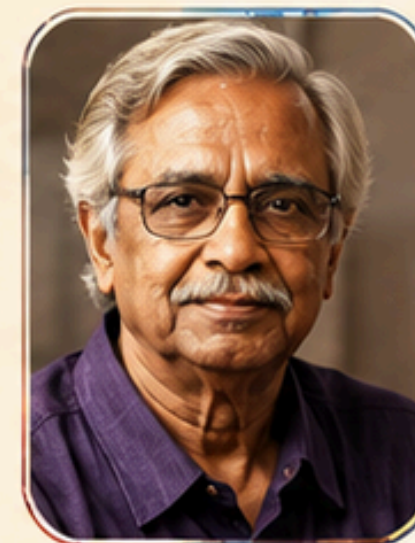
हृथिकेश मुखर्जी भारतीय सिनेमा के सबसे सफल फिल्मकारों में से एक थे, जिन्हें 'मिडिल सिनेमा' के अग्रणी के रूप में जाना जाता है, और बदलते मध्यमवर्गीय मूल्यों को दर्शाने वाली फिल्मों के लिए जाने जाते हैं।

Hrishikesh Mukherjee, one of Hindi cinema's most successful filmmakers pioneered the 'middle cinema', and was renowned for making films that reflected the changing middle-class ethos



बसु चटर्जी ने मध्यमवर्गीय जीवन पर अपनी कहानी आधारित फिल्मों की पटकथा भी खुद लिखी और *पिया का घर*, *रजनीगंधा* और *एक रुका हुआ फैसला* जैसी फिल्मों बनाई।

Basu Chatterjee also built his plots on middle-class lives and directed films like *Piya Ka Ghar*, *Rajnigandha* and *Ek Ruka Hua Faisla*



मिडिल सिनेमा के प्रमुख फिल्म / Key Middle Cinema Films

1977	<i>Ghatashrddha</i>
1980	<i>Akramana</i>
1981	<i>Mooru Darigalu</i>
1987	<i>Tabarana Kathe</i>
1988	<i>Bannada Vesha</i>
1990	<i>Mane</i>
1991	<i>Ek Ghar</i>

1991	<i>Ek Ghar</i>
1992	<i>Kubi Matthu Iyala</i>
1996	<i>Kaurya</i>
1997	<i>Thaayi Saheba</i>
2002	<i>Dweepa</i>
2003	<i>Grihabhanga</i>
2004	<i>Hasina</i>

2006	<i>Naayi Neralu</i>
2008	<i>Gulabi Talkies</i>
2008	<i>Gulabi Talkies</i>
2010	<i>Kanasemba Kudureyaneri</i>
2012	<i>Koormavatara</i>
2020	<i>Illiralare Allige Hogalare</i>

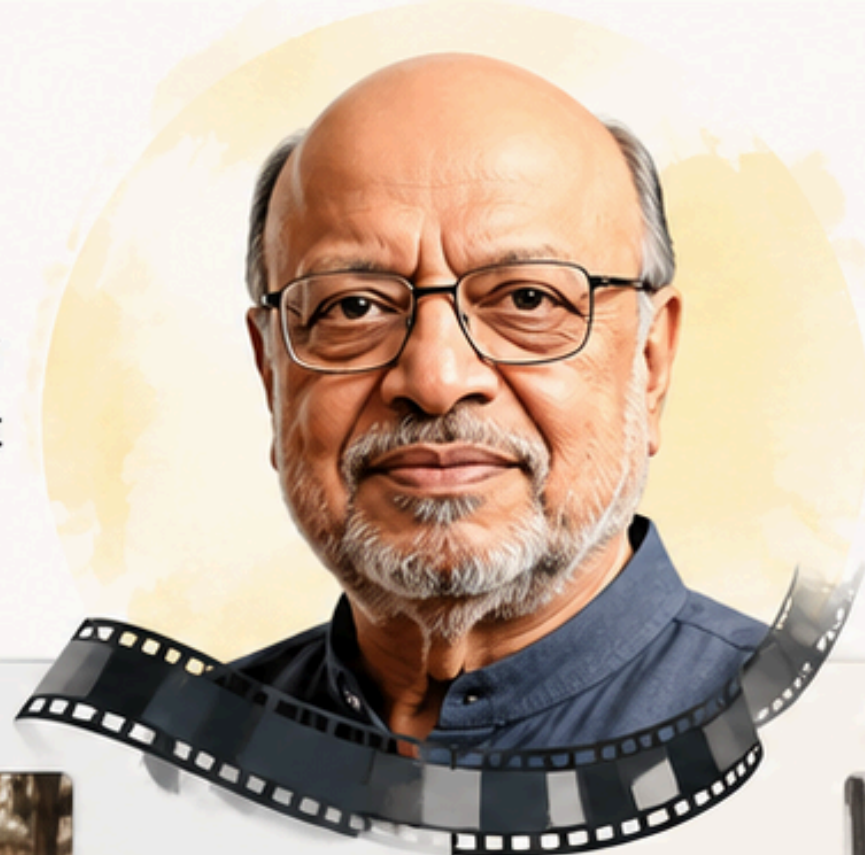


JRF Media Academy by Rohit





Shyam Benegal was born in Hyderabad to **Sridhar B. Benegal**, who was prominent in the field of photography. Starting his career as a copywriter, he made his first Documentary film in Gujarati, **Gher Betha Ganga** (Ganges at the Doorstep) in 1962.



श्याम बनेगल का जन्म हैदराबाद में हुआ था। उनके पिता **श्रीधर बी. बनेगल** फोटोग्राफी के क्षेत्र में प्रसिद्ध थे। कॉपीराइटर के रूप में अपने करियर की शुरुआत करते हुए, उन्होंने 1962 में गुजराती में अपनी पहली डॉक्यूमेंट्री फिल्म '**घेर बैठा गंगा**' (Ganges at the Doorstep) का निर्माण किया।



His First Four Feature Films



Ankur
(1973)



Nishant
(1975)



Manthan
(1976)



Bhumika
(1977)



उनकी पहली चार फीचर फिल्में



अंकुर
(1973)



निशांत
(1975)



मंथन
(1976)



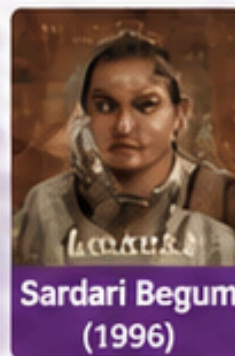
भुमिका
(1977)



Pioneer of New Wave Cinema – Benegal's "Muslim Women Trilogy" films **Mammo** (1994), **Sardari Begum** (1996), and **Zubeidaa** (2001) won National Film Awards for Best Feature Film in Hindi.



Mammo
(1994)



Sardari Begum
(1996)



Zubeidaa
(2001)

नई लहर फिल्म आंदोलन के अग्रदुत – बनेगल की "मुस्लिम महिला त्रयी" फिल्मों **माँवो** (1994), **सरदारी बेगम** (1996) और **जुबेदा** (2001) सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म (हिंदी) के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित हुई।



Benegal has won the **National Film Award** for Best Feature Film in Hindi **seven times**. He was awarded the **V. Shantaram Lifetime Achievement Award** in 2018. In 2005, honoured with the **Dadasaheb Phalke Award**, India's highest award in the field of cinema.



Government of Bangladesh has confirmed Benegal would direct the biopic of **Sheikh Mujibur Rahman** named **Mujib: The Making of a Nation**. The film was released in 2023.



बनेगल ने हिंदी में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार सात बार जीता है। उन्हें 2018 में **वी. शांताराम लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड** से सम्मानित किया गया। 2005 में उन्हें भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान **दादा साहेब फाल्के पुरस्कार** से सम्मानित किया गया।



बांग्लादेश सरकार ने पुष्टि की कि बनेगल **शेख मुजीबुर रहमान** की जीवनी पर आधारित फिल्म '**मुजीब: द मेकिंग ऑफ ए नेशन**' का निर्देशन करेंगे। फिल्म 2023 में रिलीज हुई।





Identify correct sequence of Satyajit Ray films: सत्यजीत रे की फ़िल्मों का सही क्रम पहचानिए:

- A.** Pather Panchali, Aparajito, Apur Sansar, Charulata
- B.** Apur Sansar, Pather Panchali, Aparajito, Charulata
- C.** Pather Panchali, Charulata, Apur Sansar, Aparajito



Arrange the following films of Girish Kasaravalli
in the correct chronological order:
गिरीश कसरवली की फ़िल्मों को सही कालानुक्रमिक
क्रम में लगाइए:

- (a) Koormavathara
- (b) Ghattashraddha
- (c) Dweepa
- (d) Gulabi Talkies
- (e) Mane



Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

- A.** (b), (a), (c), (d), (e)
- B.** (b), (d), (e), (c), (a)
- C.** (e), (d), (b), (c), (a)
- D.** (e), (b), (c), (d), (a)



1977	<i>Ghattashraddha</i>
1980	<i>Akramana</i>
1981	<i>Mooru Darigalu</i>
1987	<i>Tabarana Kathe</i>
1988	<i>Bannada Vesha</i>

1990	<i>Mane</i>
1991	<i>Ek Ghar</i>
1991	<i>Ek Ghar</i>
1992	<i>Kubi Matthu Ivala</i>
1996	<i>Kaurya</i>

1997	<i>Thaayi Saheba</i>
2002	<i>Dweepa</i>
2003	<i>Grihabhanga</i>
2004	<i>Hasina</i>

2004	<i>Hasina</i>
2006	<i>Naayi Neralu</i>
2008	<i>Gulabi Talkies</i>
2010	<i>Kanasemba Kudureyaneri</i>
2012	<i>Koormavatara</i>

2012	<i>Ullalare Allige Hogalare</i>
2020	<i>Ullalare Allige Hogalare</i>

Q



Which film of Shyam Benegal is broadly based on the life of well-known Marathi stage and film actress of the 1940's Hansa Wadkar?

श्याम बेनेगल की कौन सी फिल्म 1940 के दशक की प्रसिद्ध मराठी रंगमंच और फिल्म अभिनेत्री हंसा वाडकर के जीवन पर आधारित है?

- (A.) Zubeidaa
- (B.) Sardari Begum
- (C.) Susman
- (D.) Bhumika



1



Who was the cinematographer of Kumar Shahani's Char Adhyay (1997)?

कुमार शाहानी की फिल्म 'चार अध्याय' (1997) के छायाकार कौन थे?

- (1.) K K Mahajan
- (2.) Subrata Mitra
- (3.) V K Murthy
- (4.) Balu Mahendra



2



Which of the following films is recognised as an iconic film of the Indian New Wave?

निम्नलिखित में से कौन सी फिल्म भारतीय समानांतर सिनेमा (Indian New Wave) की एक प्रतिष्ठित फिल्म मानी जाती है?

- (1.) Bombay Hamara Sheher
- (2.) Bhuvam Shome
- (3.) Subarnarekha
- (4.) Neecha Nagar



3



Which of these directors were not a part of the Parallel Indian cinema movement of the 1970's and 80's?

इनमें से कौन से निर्देशक 1970 और 80 के दशक के समानांतर भारतीय सिनेमा आंदोलन का हिस्सा नहीं थे?

- (A.) Adoor Gopalakrishnan
- (B.) Manmohan Desai
- (C.) Saeed Akhtar Mirza
- (D.) Jahnu Barua



Bollywood

90's and Beyond

बॉलीवुड: 90 के दशक और उसके आगे

The 'Bollywoodization' of the Indian Cinema: Cultural Nationalism in a Global Arena

भारतीय सिनेमा का 'बॉलीवुडीकरण': वैश्विक मंच पर सांस्कृतिक राष्ट्रवाद



Ashish Rajadhyaksha outlines the difference between Indian Cinema and Bollywood, highlighting Bollywood's emergence in the 1990s driven by Indian Diaspora. आशीष राजादयाक्ष भारतीय सिनेमा और बॉलीवुड के बीच अंतर को रेखांकित करते हैं, और बताते हैं कि 1990 के दशक में भारतीय डायस्पोरा के कारण बॉलीवुड का उदय हुआ।



He explains Bollywood's distinct narrative style and global appeal, emphasizing family values and cultural investment.

वे बॉलीवुड की विशिष्ट कथा शैली और वैश्विक अपील को समझाते हैं, और परिवारिक मूल्यों व सांस्कृतिक निवेश पर जोर देते हैं।



He explores the cultural, political, and economic dimensions of Bollywood's rise, juxtaposing it with the broader Indian film industry.

वे बॉलीवुड के उदय के सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक आयामों की पड़ताल करते हैं, और इसकी तुलना व्यापक भारतीय फिल्म उद्योग से करते हैं।



It addresses the complexities of cultural nationalism and the role of cinema in shaping and reflecting societal values.

यह सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की जटिलताओं और समाज में मूल्यों के निर्माण व प्रतिबिंबन में सिनेमा की भूमिका को संबोधित करता है।

Ashish Rajadhyaksha
आशीष राजादयाक्ष



सिनेमा सिर्फ मनोरंजन नहीं, यह संस्कृति, समाज और पहचान का आईना है। ★ Cinema is not just entertainment, it is a mirror of culture, society and identity. ★



The 'Bollywoodization' of the Indian Cinema: Cultural Nationalism in a Global Arena

भारतीय सिनेमा का 'बॉलीवुडीकरण': वैश्विक मंच पर सांस्कृतिक राष्ट्रवाद



- Rajadhyaksha highlights the growing economic power of NRIs by the early 1990s.
- Bollywood becomes a medium through which NRIs maintain and express their cultural identity.
- The films serve as a link to their homeland, reinforcing a sense of belonging and cultural pride.
- This cultural connection is particularly important for second-generation NRIs, who use Bollywood to navigate their dual identities

- राजाध्यक्षा ने 1990 के दशक की शुरुआत तक NRIs की बढ़ती आर्थिक शक्ति को रेखांकित किया।
- बॉलीवुड एक माध्यम बन जाता है जिसके जरिए NRIs अपनी सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखते हैं और व्यक्त करते हैं।
- ये फिल्में उनके मूल देश से जुड़ाव का माध्यम बनती हैं, जिससे अपनापन और सांस्कृतिक गर्व की भावना मजबूत होती है।
- यह सांस्कृतिक जुड़ाव विशेष रूप से दूसरी पीढ़ी के NRIs के लिए महत्वपूर्ण है, जो बॉलीवुड का उपयोग अपनी दोहरी पहचान को समझने के लिए करते हैं।



- The content of Bollywood films often reflects themes that appeal to NRI sensibilities, such as family values, love, and cultural pride.
- These themes are designed to resonate with diasporic audiences who seek to keep their cultural heritage alive through cinema

- बॉलीवुड फिल्मों की सामग्री अक्सर ऐसे विषयों को दर्शाती है, जो NRI संवेदनाओं, जैसे परिवार के मूल्य, प्रेम और सांस्कृतिक गर्व को आकर्षित करते हैं।
- ये विषय प्रवासी दर्शकों के साथ जुड़ने के लिए बनाए जाते हैं, जो सिनेमा के माध्यम से अपनी सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखना चाहते हैं।



- Rajadhyaksha also highlights the risks associated with the commodification of Indian culture through Bollywood.
- The drive to appeal to international markets can sometimes lead to the oversimplification or stereotyping of Indian culture, potentially alienating both domestic and diasporic audiences who seek more authentic representations

- राजाध्यक्षा ने बॉलीवुड के माध्यम से भारतीय संस्कृति के व्यापारिकरण से जुड़े जोखिमों को भी रेखांकित किया।
- अंतरराष्ट्रीय बाजारों को आकर्षित करने की दौड़ कभी-कभी भारतीय संस्कृति के अत्यधिक सरलीकरण या स्टीरियोटाइपिंग की ओर ले जा सकती है, जिससे घरेलू और प्रवासी दर्शक, जो वास्तविक और प्रामाणिक प्रतिनिधित्व की तलाश में हैं, विचिन हो सकते हैं।



JRF Media Academy by Rohit

The 'Bollywoodization' of the Indian Cinema: Cultural Nationalism in a Global Arena

भारतीय सिनेमा का 'बॉलीवुडकरण': वैश्विक परिप्रेक्ष्य में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद

- Bollywood, based in Mumbai, has transcended national boundaries to become a significant player in the global entertainment industry.
- मुंबई में आधारित बॉलीवुड राष्ट्रीय सीमाओं को पार कर वैश्विक मनोरंजन उद्योग में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बन गया है।
- This expansion is driven by a growing middle class and increased foreign investment, which has helped Indian pop culture reach wider audiences.
- यह विस्तार बढ़ते मध्यम वर्ग और बढ़ते विदेशी निवेश से प्रेरित है, जिसने भारतीय पॉप संस्कृति को व्यापक दर्शकों तक पहुँचाने में मदद की है।
- Rajadhyaksha argues that while Bollywood has emerged as a dominant cultural force in the last decade, the Indian cinema has a longer history as a national industry.
- राजाध्यक्षा का तर्क है कि जहाँ बॉलीवुड पिछले दशक में एक प्रमुख सांस्कृतिक शक्ति के रूप में उभरा है, वहीं भारतीय सिनेमा का एक राष्ट्रीय उद्योग के रूप में लंबा इतिहास रहा है।



- The term Bollywood itself refers to a specific narrative style and presentation mode that appeals to both Indian and international audiences.
- बॉलीवुड शब्द स्वयं एक विशिष्ट कथात्मक शैली और प्रस्तुति पद्धति को संचालित करता है, जो भारतीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों दर्शकों को आकर्षित करती है।
- Bollywood has emerged as the dominant force within Indian cinema, overshadowing regional film industries.
- बॉलीवुड भारतीय सिनेमा के भीतर प्रमुख शक्ति के रूप में उभरा है, क्षेत्रीय फिल्म उद्योगों को पीछे छोड़ते हुए।
- The term "Bollywood" itself has become synonymous with Indian cinema globally, often at the expense of regional cinema, which struggles to gain similar international recognition.
- "बॉलीवुड" शब्द वैश्विक स्तर पर भारतीय सिनेमा का पर्याय बन गया है, अक्सर क्षेत्रीय सिनेमा के नुकसान पर, जिसे समान अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त करने के लिए संघर्ष करना पड़ता है।



Which among the following are the best-understood phases on 'Bollywoodization', according to Rajyadhyaksha?
राजाध्यक्षा के अनुसार, 'बॉलीवुडकरण' के निम्नलिखित में से कौन से सबसे अच्छी तरह समझे जाने वाले चरण हैं?



(A) Cultural and economic patronage of NRI diasporic communities.

(A) एनआरआई प्रवासी समुदायों का सांस्कृतिक और आर्थिक संरक्षण।

(B) Influence of Hollywood cinematic techniques on Indian Cinema.

(B) भारतीय सिनेमा पर हॉलीवुड सिनेमैटिक तकनीकों का प्रभाव।

(C) Marketing of Bollywood abroad.

(C) बॉलीवुड का विदेशों में विपणन।

(D) Transformation of the domestic film industry shaped by the ambition of people abroad.

(D) विदेशों में बसे लोगों की महत्वाकांक्षा द्वारा आकारित घरेलू फिल्म उद्योग का परिवर्तन।

(E) Endorsement of the auteur theory of the European Films.

(E) यूरोपीय फिल्मों के ऑटर थ्योरी का समर्थन।

Choose the most appropriate answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनिए:

1. (A), (B), (D) only

2. (B), (C), (E) only

3. (A), (C), (D) only

4. (C), (D), (E) only

JRF Media Academy by Rohit

Mumbai Noir

मुंबई नॉयर

- Mumbai Noir in the 1990s marked a significant **departure** from the traditional Bollywood formula, bringing a new level of **depth** and **realism** to Indian cinema.
- 1990 के दशक में मुंबई नॉयर ने पारंपरिक बॉलीवुड फॉर्मूला से एक महत्वपूर्ण अलगाव को चिह्नित किया, भारतीय सिनेमा में गहराई और यथार्थवाद का एक नया स्तर लाया।
- Genre of films in Indian cinema, particularly during the 1990s, reflects the **gritty, dark**, and often **violent underbelly** of Mumbai.
- भारतीय सिनेमा में फिल्मों की यह शैली, खासकर 1990 के दशक में, मुंबई के gritty, dark और अक्सर हिंसक अंडरबेली को दर्शाती है।
- These films typically feature **crime, corruption**, and the **struggles** of the urban poor, presenting a stark contrast to the glamour and escapism often associated with mainstream Bollywood.
- इन फिल्मों में आमतौर पर अपराध, भ्रष्टाचार और शहरी गरीबों के संघर्ष को दिखाया जाता है, जो मुख्यधारा बॉलीवुड से जुड़े ग्लैमर और पलायनवादी सिनेमा के विपरीत एक स्पष्ट अंतर प्रस्तुत करता है।

- Mumbai Noir films of the 1990s had a **significant impact** on Indian cinema, pushing the boundaries of storytelling and cinematic style.
- 1990 के दशक की मुंबई नॉयर फिल्मों का भारतीय सिनेमा पर गहरा प्रभाव पड़ा, कहानी कहने के तरीके और सिनेमाई शैली की सीमाओं को आगे बढ़ाया।
- They introduced a new wave of **realism and complex** narratives that influenced subsequent filmmakers.
- इन्होंने यथार्थवाद और जटिल कहानियों की एक नई लहर की शुरुआत की, जिसने आगे आने वाले फिल्म निर्माताओं को प्रभावित किया।
- These films also served as a **reflection** of the **social and economic issues** facing Mumbai during the 1990s, such as unemployment, poverty, and the pervasive influence of crime.
- ये फिल्में 1990 के दशक में मुंबई के सामाजिक और आर्थिक मुद्दों, जैसे बेरोजगारी, गरीबी और अपराध के व्यापक प्रभाव का प्रतिबिम्ब भी थीं।
- They provided a **cinematic lens** through which audiences could engage with and understand these complex issues.
- इन्होंने दर्शकों को इन जटिल मुद्दों को समझने और उनसे जुड़ने का एक सिनेमाई दृष्टिकोण प्रदान किया।

Notable Examples of Mumbai Noir Films

मुंबई नॉयर फिल्मों के उल्लेखनीय उदाहरण



"Satya" (1998) / "सत्या" (1998)

Director: Ram Gopal Varma / निर्देशक: राम गोपाल वर्मा



"Company" (2002) / "कंपनी" (2002)

Director: Ram Gopal Varma / निर्देशक: राम गोपाल वर्मा



"Vaastav: The Reality" (1999) / "वास्तव: द रिललिटी" (1999)

Director: Mahesh Manjrekar / निर्देशक: महेश मांजरेकर



"Black Friday" (2004) / "ब्लैक फ्राइडे" (2004)

Director: Anurag Kashyap / निर्देशक: अनुराग कश्यप



JRF Media Academy **by Rohit**

RAM GOPAL VERMA

राम गोपाल वर्मा



Ram Gopal Verma राम गोपाल वर्मा



He has made significant contributions to Indian cinema, particularly in the genres of crime, thriller, and horror.

उन्होंने भारतीय सिनेमा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, विशेष रूप से अपराध, थ्रिलर और हॉरर जैसी शैलियों में।



Varma's filmmaking style is marked by his bold and experimental narrative techniques, a penchant for realism, and an unflinching portrayal of the darker aspects of human nature.

वर्मा की फिल्म निर्माण शैली बोल्ड और प्रयोगात्मक कथात्मक तकनीकों, यथार्थवाद के प्रति झुकाव और मानव स्वभाव के अंधेरे पहलुओं के बेबाक चित्रण के लिए जानी जाती है।



He is known for his use of handheld cameras, unconventional angles, and lighting, which contribute to the raw and gritty feel of his films.

वह हैंडहेल्ड कैमरों, अपरंपरागत एंगल्स और लाइटिंग के उपयोग के लिए जाने जाते हैं, जो उनकी फिल्मों को कच्चा और वास्तविक एहसास देता है।



Important Films by Ram Gopal Varma

राम गोपाल वर्मा की महत्वपूर्ण फिल्में

-  Shiva (1989) / शिवा (1989)
-  Rangeela (1995) / रंगीला (1995)
-  Satya (1998) / सत्य (1998)
-  Kaun (1999) / कौन (1999)
-  Jungle (2000) / जंगल (2000)
-  Company (2002) / कंपनी (2002)
-  Bhoot (2003) / भूत (2003)
-  Sarkar (2005) / सरकार (2005)
-  Sarkar Raj (2008) / सरकार राज (2008)
-  Rakhta Charitra (2010) / रखता चरित्र (2010)



JRF Media Academy by Rohit



He is one of India's most influential and acclaimed filmmakers.

वह भारत के सबसे प्रभावशाली और प्रशंसित फिल्मकारों में से एक हैं।



His films are known for their nuanced characters, strong narratives, and visual finesse.

उनकी फिल्में अपने सूक्ष्म किरदारों, मजबूत कथाओं और दृश्य कौशल के लिए जानी जाती हैं।



His use of music, often in collaboration with composer A.R. Rahman, and his attention to visual aesthetics have set new standards in Indian filmmaking.

संगीत का उनका उपयोग, अक्सर संगीतकार ए.आर. रहमान के साथ सहयोग में, और दृश्य सौंदर्य पर उनका ध्यान, भारतीय फिल्म निर्माण में नए मानक स्थापित करता है।



In the 1990s, Mani Ratnam continued to push the boundaries of Indian cinema.

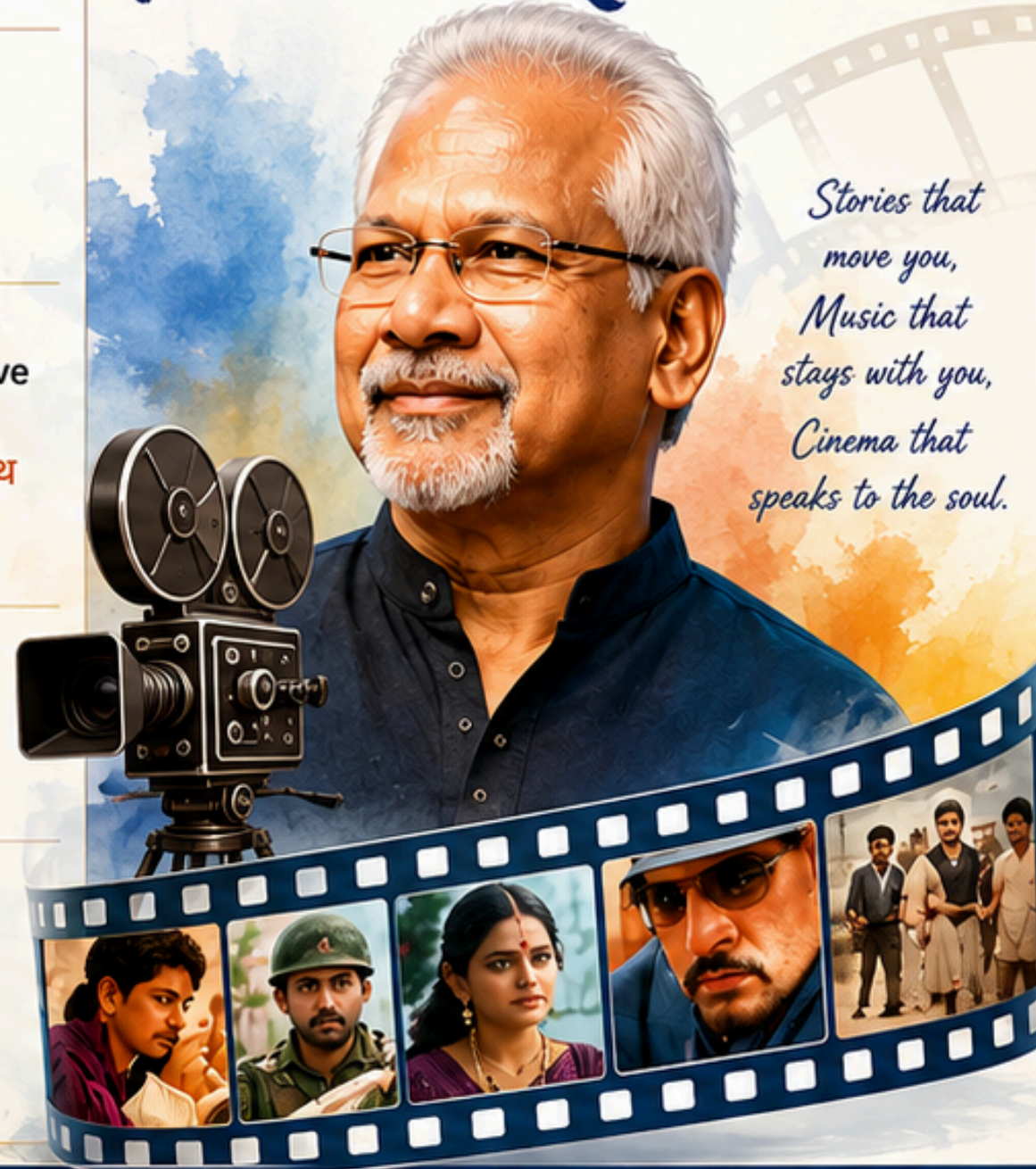
1990 के दशक में, मणि रत्नम ने भारतीय सिनेमा की सीमाओं को आगे बढ़ाते रहे।



"Roja" (1992), a political drama dealing with terrorism and national integrity, gained international acclaim and was pivotal in bringing Indian cinema to a global audience.

"रोजा" (1992), आतंकवाद और राष्ट्रीय अखंडता पर आधारित एक राजनीतिक ड्रामा, को अंतरराष्ट्रीय प्रशंसा मिली और यह भारतीय सिनेमा को वैश्विक दर्शकों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण साबित हुई।

Mani Ratnam



*Stories that
move you,
Music that
stays with you,
Cinema that
speaks to the soul.*



Mouna Ragam (1986)
मौना रागम (1986)



Nayakan (1987)
नायकन (1987)



Anjali (1990)
अंजलि (1990)



Roja (1992)
रोजा (1992)



Thiruda Thiruda (1993)
थिरुडा थिरुडा (1993)



Bombay (1995)
बॉम्बे (1995)



Iruvar (1997)
इरुवर (1997)



Dil Se (1998)
दिल से (1998)



Saathiya (2002)
साथिया (2002)



Yuva (2004)
युवा (2004)



Guru (2007)
गुरु (2007)



Raavanam (2010)
रावणन (2010)



Kadal (2013)
कदल (2013)



O Kadhal Kanmani (2015)
ओ काधल कानमनी (2015)



Chekkappa Chivantha Vaanam (2018)
चेक्का चिवंठा वानम (2018)



PS1 and PS2
पीएस1 और पीएस2



Mouna Ragam (1986)
मौना रागम (1986)



Nayakan (1987)
नायकन (1987)



Roja (1992)
रोजा (1992)



Bombay (1995)
बॉम्बे (1995)



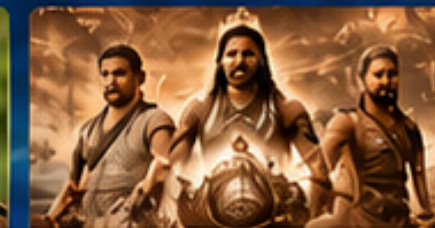
Dil Se (1998)
दिल से (1998)



Guru (2007)
गुरु (2007)



Raavanam (2010)
रावणन (2010)



PS1 and PS2
पीएस1 और पीएस2

JRF Media Academy by Rohit

Mira Nair

- She is an acclaimed Indian-American filmmaker known for her rich, cross-cultural narratives and vibrant storytelling.

वह एक प्रशंसित भारतीय-अमेरिकी फिल्म निर्माता हैं, जो अपनी समृद्ध, बहुसांस्कृतिक कहानियों और जीवंत कथाकथन के लिए जानी जाती हैं।

- Her work often focuses on the intersection of Indian and Western cultures, exploring themes of identity, migration, and social issues.

उनका काम अक्सर भारतीय और पश्चिमी संस्कृतियों के संगम पर केंद्रित होता है, जो पहचान, प्रवासन और सामाजिक मुद्दों जैसे विषयों की पड़ताल करता है।

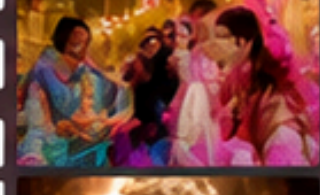
- Nair's career began with documentaries, but her transition to feature films brought her international acclaim. Her debut feature film, "Salaam Bombay!" (1988), a gripping portrayal of street children in Mumbai, was nominated for an Academy Award for Best Foreign Language Film and won the Caméra d'Or at the Cannes Film Festival.

नायर ने अपना करियर वृत्तचित्रों से शुरू किया, लेकिन फीचर फिल्मों में उनके संक्रमण ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई। उनकी पहली फीचर फिल्म, "सलाम बॉम्बे!" (1988), मुंबई के सड़क बच्चों का एक मार्मिक चित्रण, सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा फिल्म के लिए अकादमी पुरस्कार के लिए नामांकित हुई और कान्स फिल्म महोत्सव में कैमेरा ड'Or जीता।

SALAAM BOMBAY!



- Salaam Bombay! (1988)
सलाम बॉम्बे! (1988)
- Mississippi Masala (1991)
मिसिसिप्पी मसाला (1991)
- The Perez Family (1995)
द पेरेज़ फैमिली (1995)
- Kama Sutra: A Tale of Love (1996)
कामसूत्र: अ टेल ऑफ लव (1996)
- Monsoon Wedding (2001)
मानसून वेडिंग (2001)
- Vanity Fair (2004)
वैनिटी फैयर (2004)
- The Namesake (2006)
द नेमसेक (2006)
- Amelia (2009)
अमेलिया (2009)
- The Reluctant Fundamentalist (2012)
द रिलक्टेंट फंडामेंटलिस्ट (2012)
- Queen of Katwe (2016)
क्वीन ऑफ कतवे (2016)





His films often explore the human condition, historical events, and social issues, blending artistic vision with compelling storytelling.

उनकी फिल्में अक्सर मानव स्थिति, ऐतिहासिक घटनाओं और सामाजिक मुद्दों की खोज करती हैं, जो कलात्मक दृष्टिकोण को आकर्षक कहानी कहने के साथ जोड़ती हैं।



Kapur's work spans multiple genres and industries, making him a significant figure in both Indian and international cinema.

कपूर का काम कई शैलियों और उद्योगों में फैला हुआ है, जिससे वे भारतीय और अंतराष्ट्रीय सिनेमा दोनों में एक महत्वपूर्ण हस्ती बन गए हैं।



His directorial debut, "Masoom" (1983), a poignant drama about an extramarital affair and its consequences, received critical acclaim and established Kapur as a talented filmmaker.

उनकी निर्देशित पहली फिल्म "मासूम" (1983), एक विवाहेतर संबंध और उसके परिणामों पर आधारित मार्मिक ड्रामा, को आलोचनात्मक प्रशंसा मिली और कपूर को एक प्रतिभाशाली फिल्मकार के रूप में स्थापित किया।



His films often explore the human condition, historical events, and social issues, blending artistic vision with compelling storytelling.

उनकी फिल्में अक्सर मानव स्थिति, ऐतिहासिक घटनाओं और सामाजिक मुद्दों की खोज करती हैं, जो कलात्मक दृष्टिकोण को आकर्षक कहानी कहने के साथ जोड़ती हैं।

SHEKHAR KAPUR

शेखर कपूर



1



Masoom (1983)
मासूम (1983)

2



Mr. India (1987)
मिस्टर इंडिया (1987)

3



Bandit Queen (1994)
बैंडिट क्वीन (1994)

4



Elizabeth (1998)
एलिजाबेथ (1998)

5



The Four Feathers (2002)
द फोर फेदर्स (2002)

6



Elizabeth: The Golden Age (2007)
एलिजाबेथ: द गोल्डन एज (2007)

7



Passage (2009)
पासेज (2009)



JRF Media Academy *by Rohit*





Ashutosh Gowariker

आशुतोष गोवारिकर



He is a renowned Indian filmmaker, screenwriter, and actor. Known for his epic historical dramas and meticulous attention to detail.

वह एक प्रसिद्ध भारतीय फिल्म निर्माता, पटकथा लेखक और अभिनेता हैं। महाकाव्य ऐतिहासिक ड्रामों और बारीकी से ध्यान देने के लिए जाने जाते हैं।



Gowariker has carved a niche for himself in Bollywood
गोवारिकर ने बॉलीवुड में अपने लिए एक खास जगह बनाई है।



Gowariker's films are known for their grandiose storytelling, historical accuracy, and strong emotional core. He excels in creating immersive cinematic experiences that blend history with human drama.

गोवारिकर की फिल्मों की विशेषता उनकी भव्य कहानी, ऐतिहासिक सटीकता, और मजबूत भावनात्मक मूल है। वे इतिहास को मानवीय नाटक के साथ मिलाकर गहन सिनेमाई अनुभव बनाने में माहिर हैं।



Lagaan (2001)
लगान (2001)



Swades (2004)
स्वदेस (2004)



Jodhaa Akbar (2008)
जोधा अकबर (2008)



Khelein Hum Jee Jaan Sey (2010)
खेलें हम जी जान से (2010)



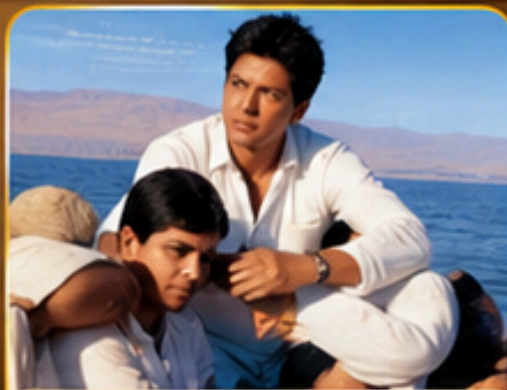
Mohenjo Daro (2016)
मोहनजो दारो (2016)



Panipat (2019)
पानीपत (2019)



Lagaan (2001)
लगान (2001)



Swades (2004)
स्वदेस (2004)



Jodhaa Akbar (2008)
जोधा अकबर (2008)



Khelein Hum Jee Jaan Sey (2010)
खेलें हम जी जान से (2010)



Mohenjo Daro (2016)
मोहनजो दारो (2016)



Panipat (2019)
पानीपत (2019)

JRF Media Academy by Rohit

ANURAG KASHYAP

अनुराग कश्यप



Anurag Kashyap अनुराग कश्यप



Kashyap's films are characterized by their gritty realism, complex characters, and socio-political commentary.

कश्यप की फ़िल्में अपने कड़े यथार्थवाद, जटिल पात्रों और सामाजिक-राजनीतिक टिप्पणी के लिए जानी जाती हैं।



He often explores the darker aspects of society and human nature, pushing the boundaries of traditional Bollywood narratives.

वह अक्सर समाज और मानव स्वभाव के अंधेरे पहलुओं की पड़ताल करते हैं, और पारंपरिक बॉलीवुड कथानकों की सीमाओं को आगे बढ़ाते हैं।



Kashyap's breakthrough came with the film "Black Friday" (2004), a hard-hitting account of the 1993 Bombay bombings. The film's raw and realistic portrayal of the events established Kashyap as a distinctive voice in Indian cinema.

कश्यप को असली पहचान फ़िल्म "ब्लैक फ्राइडे" (2004) से मिली, जो 1993 मुंबई बम धमाकों पर आधारित एक प्रभावशाली फ़िल्म है। घटनाओं के कच्चे और यथार्थवादी चित्रण ने उन्हें भारतीय सिनेमा में एक अलग पहचान दिलाई।



Important Films by Ram Gopal Varma

अनुराग कश्यप की महत्वपूर्ण फ़िल्में



- Black Friday (2004) / ब्लैक फ्राइडे (2004)
- No Smoking (2007) / नो स्मोकिंग (2007)
- Dev.D (2009) / देव.डी (2009)
- Gulaal (2009) / गुलाल (2009)
- That Girl in Yellow Boots (2010) / दैट गर्ल इन येलो बूट्स (2010)
- Gangs of Wasseypur (2012) / गैंग्स ऑफ वासेपुर (2012)
- Ugly (2014) / अग्ली (2014)
- Raman Raghav 2.0 (2016) / रमन राघव 2.0 (2016)
- Manmarziyaan (2018) / मनमरजियाँ (2018)



JRF Media Academy by Rohit



दादा साहब फाल्के पुरस्कार विजेता

DADA SAHEB PHALKE AWARD WINNERS



1969	Devika Rani	1981	Naushad	1992	Bhupen Hazarika	2003	Mrinal Sen	2014	Shashi Kapoor
1970	B. N. Sircar	1982	L. V. Prasad	1993	Majrooh Sultanpuri	2004	Adoor Gopalakrishnan	2015	Manoj Kumar
1971	Prithviraj Kapoor	1983	Durga Khote	1994	Dilip Kumar	2005	Shyam Benegal	2016	K. Viswanath
1972	Pankaj Mullick	1984	Satyajit Ray	1995	Rajkumar	2006	Tapan Sinha	2017	Vinod Khanna
1973	Ruby Myers (Sulochana)	1985	V. Shantaram	1996	Sivaji Ganesan	2007	Manna Dey	2018	Amitabh Bachchan
1974	B. N. Reddy	1986	B. Nagi Reddy	1997	Kavi Pradeep	2008	V. K. Murthy	2019	Rajinikanth
1975	Dhirendranath Ganguly	1987	Raj Kapoor	1998	B. R. Chopra	2009	D. Ramanaidu	2020	Asha Parekh
1976	Kanan Devi	1988	Ashok Kumar	1999	Hrishikesh Mukherjee	2010	K. Balachander	2021	Waheeda Rehman
1977	Nitin Bose	1989	Lata Mangeshkar	2000	Asha Bhosle	2011	Soumitra Chatterjee	2022	Mithun Chakraborty
1978	Rai Chand Boral	1990	Akkineni Nageswara Rao	2001	Yash Chopra	2012	Pran	2023	Mohanlal
1979	Sohrab Modi	1991	Bhalji Pendharkar	2002	Dev Anand	2013	Gulzar		
1980	Paidi Jairaj								

JRF

MEDIA ACADEMY

by Rohit